

‘मन की बात’ के 12 साल पूरे

● **कहा- आज बिहार का मखाना ग्रीस पहुंच रहा**

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी ने त्योहारों के अवसर पर लोगों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने ‘मन की बात’ के 139वें एपिसोड में कहा कि इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा।

पीएम ने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव पहुंच रही है, जिससे देश के किसानों के लिए दुनिया भर में नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल पहले विजयादशमी के पावन पर्व पर इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी और यह यात्रा उनके लिए देशवासियों को करीब से जानने व समझने की एक तीर्थ यात्रा के समान है।

पीएम बोले- खादी की बिक्री में 28 करोड़ पहुंची, स्वतंत्रता सेनानी परमानंद जी की 150वीं जयंती: पीएम ने कहा कि 4 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानंद जी की 150वीं जयंती है। आर्य समाज और गदर पार्टी से जुड़े भाई परमानंद जी ने दक्षिण अफ्रीका व

पीएम मोदी बोले: त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों से सामान खरीदें

गुयाना में कार्य किया और आजादी की लड़ाई में काला पानी की सजा काटी। पीएम मोदी ने कहा- परमानंद जी ने भगत सिंह को भी पढ़ाया था।

अंगदान की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका: मोदी ने कहा जो लोग अपने जीवन के बाद अंगदान करके जाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम की शिवानी जी का सामने आया है। शिवानी जी एक सड़क दुर्घटना की शिकार हो गई थीं। इसके बावजूद उनके परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। यह समाज और देश में एक बड़ा संदेश गया है।

खादी की बिक्री में 28 करोड़ पहुंची: मोदी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर केवल एक ही दिन में खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री 28 करोड़ रुपए से अधिक दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में भी करीब डेढ़ करोड़ रुपये ज्यादा है।

स्थानीय कारीगरों के बनाए उत्पादों को प्राथमिकता: पीएम ने कहा कि त्योहारों पर हम अपने परिवार और

देशभर में लगभग 1 लाख 90 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर... पीएम ने कहा कि एक समय था जब डॉक्टर को दिखाने और जांच कराने में भी लोगों का काफी समय लग जाता था। लेकिन आज देशभर में लगभग 1 लाख 90 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर लोगों के जीवन में नई-नई सुविधाएं लेकर आए हैं।

पारंपरिक खेती पुनर्जीवित... पीएम मोदी ने कहा पंजाब में ‘खेती विरासत मिशन’ नाम की संस्था ने ऑर्गेनिक फार्मिंग और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। इस संस्था की टीम पंजाब के मालवा क्षेत्र में कपास की प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहती थी और इसी पहल को ‘नव-त्रिजन’ नाम दिया गया।

प्रियजनों के लिए बहुत कुछ खरीदते हैं। इस बार भी खरीदारी करते समय लोगों को स्थानीय कारीगरों के बनाए उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे उनका उत्साह बढ़ेगा।

सुखोई और तेजस ने काशी के आस-मान में दिखाए हवाई करतब

नमो घाट से पीएम नरेंद्र मोदी ने उठाया एयर शो का लुत्तफ



वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार दोपहर वाराणसी के नमो घाट से भारतीय वायुसेना के एयर शो का नजारा देखा। वायुसेना के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर आसमान में शौर्य और पराक्रम का दृश्य देखने को मिल रहा है।

विंसे ओवर गंगा के थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम को देखने के लिए काशी की जनता उमड़ पड़ी है। एयर शो में सुखोई, राफेल, मिराज 2000, तेजस और मिग विमानों ने जबरदस्त हवाई करतब दिखाए। ये एक स्वदेशी

लड़ाकू विमानों ने आसमान को सजाया: तेजस लड़ाकू विमान ने कम ऊंचाई पर करतब दिखाए। ये एक स्वदेशी

यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ, समेत कई गणमान्य अतिथि मौजूद हैं। आयोजन में भारतीय वायुसेना के विभिन्न विमानों की विविधता और समूह में उड़ान के तालमेल को दर्शाया गया।

हल्का लड़ाकू विमान है। इसके अलावा सुखोई 30 एमकेआई, राफेल, जगुआर, मिराज 2000 और मिग 29 सहित छह लड़ाकू विमानों ने काशी के आसमान को सजा दिया।

नौ सूर्य किरण विमानों ने बनाया तिरंगा: वायुसेना की सूर्य किरण टीम ने लोगों को आसमान से शुभकामनाएं देते हुए एयर शो का समापन किया।

राफेल की प्रवंड गर्जना सुनाई दी... वाराणसी के आसमान में राफेल विमानों की प्रवंड गर्जना भी सुनाई पड़ी। तीन राफेल विमानों ने नीलकंठ फार्मेशन बनाई। इसके बाद चार जगुआर विमानों ने पशुपति फार्मेशन बनाई। इन विमानों ने हीरो की आकृति बनाई। ये विमान कम ऊंचाई पर भी उड़ सकते हैं।

: व्रीफ बॉक्स :

‘ड्रग कार्टेल के ताबूत में आखिरी कील ठोकेंगे’:अमित शाह



नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बताया कि एजेंसियों ने असम, मिजोरम और मणिपुर में 38 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 1,424 बैक खातों को फ्रीज कर दिया गया। अपने ‘एक्स’ हैंडल पर एक पोस्ट में अमित शाह ने ‘ऑपरेशन ट्राइडेंट’ की तारीफ की। शुक्रवार को चलाए गए इस ऑपरेशन का मकसद भारत, म्यांमार और बांग्लादेश में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल को खत्म करना था। उन्होंने कहा, ‘भारत तब तक कड़ा प्रहार करता रहेगा, जब तक कि ड्रग कार्टेल के ताबूत में आखिरी कील न टुक जाए।’ उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन का पता चला है। इसके अलावा, 17.82 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है, साथ ही 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं।

अनंत बोले- नीतीश खत्म हो गए, जेडीयू भी नहीं बचेगी अपनी पार्टी बनाऊंगा



पटना,एजेंसी। जदयू ने मोकामा विधायक अनंत सिंह और उनकी पत्नी नीलम देवी को पार्टी से बाहर कर दिया है।पार्टी के इस फैसले के बाद पटना में सियासत तेज है। पार्टी से निकाले जाने पर अनंत सिंह ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोला है। अनंत सिंह ने कहा मैंने कुछ गलत नहीं किया था। अनंत सिंह ने इशारों में नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि जिस ने पार्टी बनाई थी वो पार्टी नहीं चला पा रहे हैं। नीतीश जी बीमार रहते हैं, जिसने पार्टी से निकालने का फैसला किया है वो चुनाव में भुगतेंगे। अनंत सिंह से जब पूछा गया कि वो आगे क्या करेंगे इस पर अनंत सिंह ने कहा कि अपनी पार्टी बनाएंगे। अनंत सिंह ने यह भी कहा कि जब सरकार गिर रही थी तो मैंने बचाई थी।

अरुणाचल में एनएचपीसी ऑफिस-थाने में आग लगाई

भाजपा अध्यक्ष के घर में तोड़फोड़ कई पुलिसकर्मी घायल

» बांध के विरोध में हिंसा, चीन से आने वाला पानी रोकेगा

ईटानगर,एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट के प्रस्तावित सियांग प्रोजेक्ट के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क गई। भीड़ ने NHPC ऑफिस और पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। सात-आठ पुलिस वाहन भी जला दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की। पथराव में डीएस्पी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रस्तावित बांध का मकसद चीन से आने वाले पानी को नियंत्रित करना और बाढ़ का खतरा कम करना है।

प्रदर्शनकारियों के पास लाठियां-गुलेल, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े: सियांग, अपर सियांग और पूर्वी सियांग जिलों में शुक्रवार को 12 घंटे का बंद बुलाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, बंद के दौरान सियांग जिले में करीब 150 से 200 प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों के पास कथित तौर पर दाओ, लाठियां और गुलेल थीं। उन्होंने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। मैक्रो में रनाघाट ब्रिज के पास भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई।

आदिवासी संगठन के ऑफिस में भी तोड़फोड़: पासीघाट के डीएस्पी टोनी तातक के मुताबिक, प्रदर्शनकारी मैक्रो इलाके से आए थे। भीड़ ने आदि समुदाय के प्रमुख संगठन आदि बाने केबांग के कार्यालय में भी तोड़फोड़ की।

इसरो की 2029 तक चार लॉन्च पैड की योजना

गगनयान से पहले दो मानवरहित परीक्षण और नया एसएसएलवी परिसर प्रस्तावित

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के प्रमुख वी. नारायणन ने 2029 तक देश में चार कार्यशील लॉन्च पैड तैयार करने की योजना बताई है। उन्होंने कहा कि भारत की अंतरिक्ष गतिविधियों का विस्तार निजी कंपनियों और स्टार्टअप के साथ बढ़ती साझेदारी के जरिए किया जाएगा।

नारायणन के अनुसार, तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में कुलसेकरपट्टिनम के पास करीब 2,000 एकड़ में Small Satellite Launch Vehicle (SSLV) के लिए समर्पित परिसर विकसित किया जाएगा। इस केंद्र का उद्देश्य छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण की बढ़ती घरेलू और वैश्विक

योजना का उल्लेख किया, लेकिन अन्य तीन प्रस्तावित पैड के स्थान या उनकी विस्तृत संरचना की जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ISRO का निजीकरण नहीं किया जाएगा। हालांकि, अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों और हजारों उपग्रहों की संभावित जरूरतों को पूरा करने के लिए निजी उद्योग के साथ सहयोग जरूरी होगा। उनके मुताबिक, ISRO स्टार्टअप और निजी उद्यमों को तकनीकी मार्गदर्शन देगा। इससे उच्च- कौशल वाले रोजगार और अंतरिक्ष आधारित कारोबार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मांग को पूरा करना है।

कुलसेकरपट्टिनम परिसर में प्रस्तावित सुविधाएं: प्रस्तावित SSLV परिसर में इंटीग्रेशन बिल्डिंग, लॉन्च पैड, रेल-ट्रैक सिस्टम और टेलीमेट्री, ट्रेकिंग तथा कमांड से जुड़ी सुविधाएं शामिल होंगी। ISRO प्रमुख ने चार लॉन्च पैड की

योजना का उल्लेख किया, लेकिन अन्य तीन प्रस्तावित पैड के स्थान या उनकी विस्तृत संरचना की जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ISRO का निजीकरण नहीं किया जाएगा। हालांकि, अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों और हजारों उपग्रहों की संभावित जरूरतों को पूरा करने के लिए निजी उद्योग के साथ सहयोग जरूरी होगा। उनके मुताबिक, ISRO स्टार्टअप और निजी उद्यमों को तकनीकी मार्गदर्शन देगा। इससे उच्च- कौशल वाले रोजगार और अंतरिक्ष आधारित कारोबार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

राहुल बोले- वोट चोरी बर्दाश्त नहीं: दावा: 1 नवंबर की रैली में 10 लाख लोग आएंगे

कारोबारी बोले- रैली टालें, इससे 10 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को झ्र पर पोस्ट कर कहा कि हमारे वोट चुराए जा रहे हैं, और हम किसी भी हाल में इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने लिखा- सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गई हैं। 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विपक्ष की रैली में छत्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा और व्यापारियों को



आना चाहिए। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शनिवार को दावा किया कि पार्टी की रैली

राहुल ने कहा- भाजपा के साथियों का धन्यवाद... राहुल ने कहा कि बीजेपी और उनके साथियों का दिल से धन्यवाद, जो इतने उत्साह से इस कार्यक्रम का प्रचार कर रहे हैं और इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा रहे हैं।

रैली टालने की अपील की है। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है।

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान: 28 अक्टूबर को आंध्र तट से टकराएगा, तमिलनाडु-पुडुचेरी में तेज बारिश

» ओडिशा के 5 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया रविवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसके असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी में भारी बारिश हो रही है। मौसम



विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 115

से 125 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश में 26 से 29 अक्टूबर तक भारी बारिश का अनुमान है। ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं।

सीएम योगी बोले- देश को अराजकता और अलगाववाद की भट्टी में झोंकने का रचा जा रहा षड्यंत्र

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज जब विश्व के अनेक हिस्से हिंसा और अस्थिरता से जूझ रहे हैं, भारत लोकतांत्रिक स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक चेतना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में संकीर्ण मानसिकता वाली कुछ राजनीतिक ताकतें सत्ता के स्वार्थ में देश को अस्थिरता, अराजकता और अलगाववाद की भट्टी में झोंकने का षड्यंत्र रच रही हैं। राष्ट्रीय हितों को ताक पर रखकर वैश्विक मंचों पर भारत की छवि धूमिल करने का निरंतर प्रयास कर रही हैं।

आर्थिक समृद्धि की संभावनाएं साकार हो रही हैं... आस्था, अस्मिता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण नए भारत में सामाजिक न्याय, नारी सशक्तीकरण, डिजिटल नवाचार और आर्थिक समृद्धि की संभावनाएं साकार हो रही हैं।

सीएम योगी ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं निर्णायक नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी आर्थिक शक्ति का नया अध्याय लिखा है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख और जनभागीदारी विकास को जन-आत्मनिर्भरता, नवाचार तथा विकास के

नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ ‘नए भारत’ में लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हुई हैं। नीति-निर्माण के केंद्र में आम जनता है, गरीब कल्याण शासन की प्राथमिकता है, अंत्योदय आत्मनिर्भरता का आधार है और जनभागीदारी विकास को जन-आंदोलन का रूप दे रही है।

फ्रांस में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, 1000 गिरफ्तार: महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग, पेरिस में पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

पेरिस,एजेंसी। फ्रांस में महंगाई, स्कूलों की बंदहाली और पुलिस की सख्ती के खिलाफ शनिवार को लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

पेरिस में मार्च के अंत में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में करीब 1,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदर्शनों में



करीब 4 लाख लोग शामिल हुए। दूसरी तरफ ट्रेड यूनियनों ने 8 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया।

शुरुआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। इसमें छत्र, अभिभावक और बुजुर्ग भी शामिल हुए। हालांकि, मार्च खत्म होने के दौरान कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस पर पथर और कांच की बौतलें फेंकीं। कुछ जगह कूड़ेदानों में आग लगाई गई और पुलिस की ओर पटाखे फेंके गए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस, वाटर कैनन और स्टन ग्रेनेड का

पेरिस में 1.10 लाख लोग जुटे, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी... सरकारी अनुमान के मुताबिक, पेरिस में करीब 1.10 लाख लोगों ने मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने महंगाई, सरकार की पुलिस व्यवस्था और स्कूलों में सुविधाओं की कमी के खिलाफ आवाज उठाई। उनके हाथों में ऐसे बैनर थे, जिन पर लिखा था- ‘दमन से विद्रोह पैदा होता है’ और ‘प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है’।

इस्तेमाल किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर लाठीचार्ज भी किया।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में 17 सदिग्ध उग्रवादी गिरफ्तार, भारी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद



इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने शनिवार को दो कुकी संगठनों से जुड़े 17 सदिग्ध उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। उन पर केंद्र सरकार के साथ हुए समझौते के तहत पंजीकृत कैडर होने का फर्जी दावा करने का आरोप है। इस दौरान भारी संख्या में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ की वि्वक एक्शन टीम और कोबरा बटालियन ने साइनाई कैंप में संयुक्त अभियान चलाया। जांच के दौरान 17 लोग कथित तौर पर फर्जी पहचान के साथ पंजीकृत कैडर बनकर रह रहे थे। इनमें आठ पर कुकी नेशनल आर्मी और नौ पर कुकी लिबरेशन आर्मी का सदस्य होने का झूठ दावा करने का आरोप है। सुरक्षा बलों ने 24 से अधिक बंदूक, 38 मगजीन, बड़ी मात्रा में कारतूस, विस्फोटक, वायरलेस संचार उपकरण और अन्य सैन्य सामग्री जब्त की। आरोपितों को 31 अक्टूबर तक आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी पहचान, अवैध हथियारों और शिविर के नियमों के उल्लंघन में अन्य लोगों की क्या भूमिका थी।

मुंबई एयरपोर्ट मस्जिद विवाद : किरीट सोमैया का 'जेल भरो सत्याग्रह', पुलिस ने कार्यकर्ताओं संग लिया हिरासत में



मुंबई, एजेंसी। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने शनिवार को जेल भरो सत्याग्रह किया। उन्होंने मुंबई एयरपोर्ट के पास बनी एक कथित अवैध मस्जिद को हटाने की मांग की। सोमैया ने कहा कि टर्मिनल-2 के पास बनी इस मस्जिद को गिराया जाना चाहिए। यदि पुलिस मोहम्मद सरकार को गिरफ्तार नहीं करती है तो वे तब तक पुलिस स्टेशन में ही बैठे रहेंगे, जब तक कि इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हो जाती। सोमैया ने कहा कि मुंबई मेट्रोपालिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) और महाराष्ट्र सरकार के आदेश के अनुसार, टर्मिनल-2 के पास बनी मस्जिद को गिराया जाना चाहिए। आगे बोले कि आज लगभग सौ समर्थक मेरे साथ यहां आए हैं। यदि पुलिस मोहम्मद सरकार को गिरफ्तार नहीं करती है तो मैं तब तक पुलिस स्टेशन में ही बैठा रहूंगा, जब तक कि एफआईआर दर्ज नहीं हो जाती। यह विरोध प्रदर्शन मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के पास स्थित एक मस्जिद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच हुआ। सोमैया ने कहा कि यदि जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया गया तो वे स्वयं जाकर इस ढांचे को गिरा देंगे।

कोटा में एसीबी की कार्टवाई, 2 हजार रुपये रिश्तत लेते कांस्टेबल गिरफ्तार

कोटा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) चौकी कोटा द्वारा एसीबी मुख्यालय के निदेश पर आज ट्रैप कार्यवाही करते हुए थाना नान्ता, जिला कोटा शहर की बड़गांव चौकी पर तैनात कांस्टेबल अभयसिंह को परिवारी से 2,000 रुपये की रिश्तत राशि लेते हुए री हाथ गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा इकाई को परिवारी द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई कि, एक डम्पर द्वारा मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी गई थी। उक्त मोटरसाइकिल के परिवारी की कार से टक्करने के बाद उत्पन्न विवाद के संबंध में डम्पर मालिक द्वारा परिवारी के विरुद्ध थाना नान्ता में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, जिसकी जांच थाना नान्ता की बड़गांव चौकी पर तैनात कांस्टेबल अभयसिंह द्वारा की जा रही थी। आरोप है कि कांस्टेबल अभयसिंह द्वारा परिवारी को उक्त प्रकरण में झूठ फंसाने की धमकी देकर रिश्तत राशि की मांग की जा रही थी। उक्त शिकायत पर रिश्तत मांग का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी कांस्टेबल अभयसिंह द्वारा परिवारी से 700 रुपये रिश्तत राशि प्राप्त करना तथा शेष 2,000 रुपये रिश्तत राशि बाद में लेने की मांग करना पाया गया। कोटा रेंज के उपमहानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीसा के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसीबी कोटा विजय स्वर्णकार के निदेशन में पुलिस निरीक्षक पृथ्वीराज मीणा के नेतृत्व में गठित ट्रैप दल द्वारा कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपी कांस्टेबल अभयसिंह को बड़गांव चौकी पर परिवारी से 2,000 रुपये की रिश्तत राशि लेते हुए री हाथ गिरफ्तार किया गया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस प्रदीप के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ एवं अग्रिम कार्यवाही जारी है।

जिसे हार्ट अटैक समझा गया, वह निकला मर्डर बेंगलुरु में वकील की मौत मामले में चौंकाने वाला खुलासा



बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां ऑटो के किराए को लेकर हुआ एक मामूली विवाद 43 वर्षीय वकील की मौत की वजह बन गया। अब इस पूरे मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि शुरुआत में जिसे दिल का दौरा समझकर नजरअंदाज किया जा रहा था, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद वह एक हत्या का मामला बन गया है।

किराये के कमरे से 156 पैकेट अवैध पटाखे बरामद, एक गिरफ्तार

दौसा। मण्डावर थाना पुलिस ने थोबडी चौराहा के पास स्थित किराये के कमरे से 9 बड़े कार्टन से विभिन्न प्रकार के 156 पैकेट अवैध पटाखे बरामद किए हैं। बिना वैध लाइसेन्स / अनुज्ञापत्र के पटाखे रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद पटाखों में सुतली बम व मुर्गा छाप पटाखे शामिल हैं। थानाधिकारी हरिओम ने बताया कि एएसआई विरेन्द्रसिंह को गश्त के दौरान सूचना मिली कि थोबडी चौराहे पास स्थित बाई पास रोड पर बने मकान के अन्दर पटाखे रखे हुये हैं। इस सूचना को गम्भीरता से लेते हुये पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नियमानुसार कमरे की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 9 बड़े कार्टन से विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद हुये। पटाखों के सम्बंध में आरोपी से वैध लाइसेन्स अथवा अनुज्ञापत्र के बारे में पूछताछ की गई जिस पर उसके पास कोई वैध लाइसेन्स / अनुज्ञापत्र नहीं होना बताया। इस पर आरोपी राहुल खण्डेलवाल पुत्र श्यामसुन्दर खण्डेलवाल निवासी गढ़ रोड मण्डावर के खिलाफ प्रकरण पजीवद्ध कर अनुसन्धान जारी है। पुलिस ने आमजन से अपील है कि पटाखों एवं अन्य विस्फोटक सामग्री का भण्डारण निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुकूप ही करें। आबादी क्षेत्र में असुरक्षिततरीके से पटाखे रखने से आमजनी दुर्घटना एवं जनहानि की आशंका रहती है। ऐसी गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

ट्रंप के बॉलरूम-रोज गार्डन पर ओबामा का तंज: कहा- व्हाइट हाउस ऐसा जैसे सद्दाम हुसैन ने खोल ली चीजकेक फैक्ट्री

ओहायो, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसा है। ओहायो में मध्यावधि चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान ओबामा ने ट्रंप के सजावट और निर्माण संबंधी फैसलों का मजाक उड़ाते हुए कहा कि व्हाइट हाउस ऐसा दिखने लगा है, जैसे इराक के पूर्व राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने वहां चीजकेक फैक्ट्री खोल ली हो। ओबामा ने ट्रंप के निर्माण कार्यों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि उनका ख्यान घर की मरम्मत और सजावट पर ज्यादा है। उन्होंने मजाक में कहा कि ट्रंप को होम इम्प्रूवमेंट से जुड़े टीवी कार्यक्रम में होना चाहिए।

ओबामा क्यों बोले- हर तरफ सिर्फ सनो ही सोना है: बराक ओबामा ने कहा, ‘मुझे नहीं पता कि आपने ध्यान दिया है या नहीं, लेकिन उनका ध्यान



पर के नवीनीकरण पर काफी ज्यादा है। उन्हें एचजीटीवी को होना चाहिए। वह व्हाइट हाउस से भी बड़ा बॉलरूम बना रहे हैं। रोज गार्डन में पक्की सतह बनवा दी, साउथ लॉन में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए जगह बना दी और हर तरफ सोना ही सोना है। आखिर इस सोने का क्या चक्कर है हर चीज में और ज्यादा सोना! इसके बाद ओबामा ने कहा, ‘उन्होंने व्हाइट हाउस को ऐसा बना दिया है, जैसे सद्दाम हुसैन ने चीजकेक फैक्ट्री खोल ली हो। हर तरफ बस सोना ही सोना है।’

ओबामा ने मिडवेस्ट में ट्रंप और उनके सहयोगियों पर साधा निशाना: पूर्व

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रिपब्लिकन सहयोगियों पर निशाना साधते हुए उन पर क्रूरता और शालीनता की कमी का आरोप लगाया। वह मध्यावधि चुनावों के लिए चल रहे तीखे राजनीतिक संघर्ष के बीच एक का क्या चक्कर है हर लामबंद करने के लिए मिडवेस्ट के दो अहम चुनावी राज्यों में पहुंचे। ओहायो में ओबामा ने सबसे पहले रिपब्लिकन पार्टी के गवर्नर पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी पर निशाना साधा। रामास्वामी ने अपने उस विज्ञापन अभियान का बचाव किया है, जिसमें उनकी

ज्यादा किराया देने से इनकार कर गए कि वे दूसरा ऑटो पकड़ लेंगे। पृथ्वीराज ने उनका पीछा किया दिया और यह कहकर आगे बढ़े इस बात से गुस्साएं ऑटो चालक और उन पर हमला कर दिया।

ऑटो चालक ने श्री राम को दिया धक्का

सामने आई जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक ने श्री राम को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिससे उनके सिर में अंदरूनी गंभीर चोट आई। इस दौरान कुछ अन्य ऑटो चालक भी वहां मौजूद थे, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। बेहोश मिले थे श्री राम हमले के बाद श्री राम नागरभावी आउटर रिंग रोड पर अचेत अवस्था में मिले थे। गश्त पर मौजूद पुलिस टीम ने उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसी दिन उनकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

गौरतलब है कि शुरुआत में डॉक्टरों और पुलिस को यही लगा कि श्री राम की मौत हार्ट अटैक से हुई है। लेकिन परिवार वालों ने जब उनके शरीर पर चोट के निशान देखे, तो उन्होंने अन्तर्णार्थरी नगर पुलिस स्टेशन में साजिश की आशंका जताई। इसके बाद परिवार की मांग पर जब शव का पोस्टमार्टम कराया गया, तो रिपोर्ट में चौंकाने वाला सच सामने आया। रिपोर्ट से पता चला कि वकील की मौत दिल के दौरे से नहीं, बल्कि सिर में अंदरूनी खून का धक्का जमने के कारण हुई थी।

मोबाइल और नकदी गायब होने की भी जांच

इतना ही नहीं इस खुलासे के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी ऑटो चालक पृथ्वीराज को हिरासत में ले लिया है। इसके साथ ही पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या घटना के बाद आरोपी ने श्री राम का मोबाइल फोन और नकदी चुरा ली थी या नहीं। फिक्हाल, पुलिस बाकी फरार ऑटो चालकों की तलाश कर रही है

सियांग बांध के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, भीड़ ने थाना और एनएचपीसी दफ्तर फूंका, 40 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल



उपयुक्त जयंती पटिन ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित 12 घंटे का बंद काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। हालांकि, बंद समाप्त होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग जाम कर दिया।

प्रशासन के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं हटे, जिसके बाद मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथरार शुरू कर दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो

गए। उग्र भीड़ ने पासीघाट पुलिस स्टेशन, एनएचपीसी कार्यालय और कई पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, झड़प में आठ प्रदर्शनकारियों को भी मामूली चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। शनिवार तड़के करीब चार बजे के बाद स्थिति नियंत्रण में

आई। इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रस्तावित परियोजना को लेकर स्थानीय समुदायों में लंबे समय से असंतोष है। प्रदर्शनकारी परियोजना संबंधी गतिविधियों को रोकने और गिरफ्तार कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री पेमा खांडू की शांति की अपील

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि परियोजना को लेकर किसी भी तरह की चिंता या आपत्ति पर सरकार से चर्चा की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन इसमें हिंसा और दूसरों को नुकसान पहुंचाने की कोई जगह नहीं है।

यूक्रेन ने किया स्टारलिनक की ताकत का गलत इस्तेमाल

मस्क के आरोप से मचा बवाल, क्या बदलेगी युद्ध की तस्वीर



कीव, एजेंसी। अमेरिकी उद्योगपति और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना स्टारलिनक का इस्तेमाल ऐसे ड्रोन हमलों के लिए कर रही थी, जिनका मकसद लोगों की जान लेना था। उन्होंने कहा कि यह स्टारलिनक की सेवा की शर्तों के खिलाफ है और इस सुविधा में मौजूद खामी को पिछले हफ्ते ही दूर कर दिया गया। मस्क के मुताबिक, स्टारलिनक एक व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल इस तरह के हमलों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन की रक्षा के लिए स्टारलिनक बेहद जरूरी है।

स्टारलिनक के इस्तेमाल पर मस्क ने उदाह्र सवाल: मस्क ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि स्टारलिनक को आम लोगों और संस्थानों की संचार जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इसका इस्तेमाल

आक्रामक ड्रोन हमलों में करना सही नहीं है। उनके अनुसार, यूक्रेनी सेना ने सेवा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए इसका इस्तेमाल लोगों को मारने के लिए किया। मस्क ने दावा किया कि इस गड़बड़ी को पिछले सप्ताह ठीक कर दिया गया है।

स्टारलिनक और स्टारशील्ड में क्या है अंतर: मस्क ने स्टारलिनक और स्टारशील्ड को दो अलग-अलग व्यवस्थाएं बताया। उनके मुताबिक, स्टारलिनक एक व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में काम करने वाला अलग सिस्टम है। उन्होंने कहा कि स्टारशील्ड का इस्तेमाल किस तरह किया जाता है, यह अमेरिकी सरकार का फैसला है। मस्क की इस टिप्पणी के बीच दोनों प्रणालियों की भूमिका और सैन्य इस्तेमाल

को लेकर चर्चा तेज हो गई है। **यूक्रेन की रक्षा में स्टारलिनक की अहम भूमिका:** मस्क ने यह भी कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिए स्टारलिनक बेहद महत्वपूर्ण है। उनके दावे के मुताबिक, फिलहाल यह ऐसा संचार माध्यम है, जिसे जाम करना या पूरी तरह नष्ट करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन ने स्टारलिनक की सेवा बंद हो जाए, तो वहां की सेना की अग्रिम मोर्चों पर स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मस्क ने यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरुआती दिनों में रूस ने यूक्रेन के संचार नेटवर्क को निशाना बनाया था। ऐसे समय में स्टारलिनक ने यूक्रेन को आपसी संपर्क बनाए रखने में मदद की थी।

युद्ध को लेकर मस्क ने फिर जताई नाराजगी: रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर मस्क ने एक बार फिर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन लोगों का आलोचना की, जो युद्ध जारी रखने की बात करते हैं, लेकिन उसका व्यावहारिक समाधान नहीं बताते।

यूरोपीय देशों में आंदोलन: कई जगह भिड़े पुलिस, उग्र प्रदर्शनकारी, फ्रांस, इटली, स्पेन से ब्रसेल्स तक कैसा मंजर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस समेत कईयूरोपीय देशों में युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। फ्रांस की राजधानी पेरिस व अन्य शहरों में शनिवार को युवाओं और श्रमिक संगठनों के आह्वान पर बड़ा प्रदर्शन किया गया। दिनभर प्रदर्शन आमतौर पर शांतिपूर्ण रहा लेकिन शाम होते-होते कईजगहों पर हिंसक घटनाएं हुईं। हालांकि, पिछले हफ्ते की तुलना में स्थिति अपेक्षाकृत शांत रही। उधर, इटली में पीएफ जियाजॉर्ज्या मेलनी के खिलाफ युवाओं का आक्रोश भड़क उठा है।

लाखों की संख्या में सड़कों पर उतरे आक्रोशित: फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में लगभग 4.1 लाख लोगों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। वहीं, जनरल कम्फेंडेशन ऑफ लेबर (जीसीटी) यूनियन का दावा है कि यह संख्या करीब 8 लाख थी। फ्रांसीसी गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि अब तक 135 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से कई तरह के हथियार जब्त किए गए हैं। इस बार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए देशभर में 70,000 पुलिसकर्मियों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर, बख्तरबंद गाड़ियां और वॉटर कैनन तैनात किए गए थे।



रोम और मिलान में कैसा मंजर: इटली के मिलान में प्रदर्शनकारियों ने रात में प्रदर्शन किया। ज्यादातर युवा प्रदर्शनकारियों के हाथों में ‘सरकार के झूठ को ना’ जैसे बैनर देखे गए। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने इटली के ऊर्जा नियामक के बाहर खाद फेंक पर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने एक प्रतीकात्मक, बिजली बिल भी जलाया, जिसकी तस्वीरें स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित हुईं। फैशन के लिए मशहूर मिलान में ओमोगा, टिफ़नी और गुच्ची सहित कई लक्जरी बूटीक दुकानों को सामने की खिड़कियों को बंद करना पड़ा। एम्पल स्टोर भी बंद रहा। हालात सामान्य होने पर दूसरी दुकानें खुलीं लेकिन बड़े ब्रांड्स के आउटलेट बंद दिखे। इससे अलग, पिछले सप्ताह के अंत आंदोलन के दौरान उपद्रव करने वाले लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की थी। उन्होंने शहर के केंद्रीय डुओमो चौक से निकलने वाली सड़कों पर स्पीकर, स्पोर्ट्स वियर और खेल के सामान को निशाना बनाया था।

रोम में प्रदर्शनों का स्वरूप कैसा रहा:

इटली के ही रोम में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों ने लक्जरी खरीदारी वाली सड़कों को बंद कर दिया। सर्कस मैक्सिमस और पियाजा डेल पोपोलो के आसपास नियंत्रण बढ़ा दिए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोलोसियम में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन गाड़ों ने उन्हें बाहर निकाल दिया। अन्य जगहों पर, कई सौ छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ किया कि उनके आंदोलन का मकसद उपद्रव, दंगा या तोड़फोड़ नहीं है। धूर-दक्षिणपंथी छत्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकार्डो पोंजियो ने कहा कि पिछले सप्ताह की तस्वीरें भयानक थीं। युवा पीढ़ी के अधिकांश छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं। उन लोगों से उनका सरोकार नहीं जो मुद्दों की आड़ में पूरे शहर को तबाह करने की मंशा रखते हैं। मध्य रोम में एक अलग युद्ध-विरोधी मार्च भी हुआ। आयोजकों ने संभावित अशांति से खुद को दूर रखने की कोशिश की।

पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनन का सहारा लिया: दक्षिण-पूर्वी शहर ल्योन में प्रदर्शनों पर कंट्रोल गढ़ा था, लेकिन शहर के केंद्र के पास लगभग 150 प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस

ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पश्चिमी शहर नांत में हजारों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बाइकें को तोड़कर शहर के केंद्र में प्रवेश किया। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनन का सहारा लिया। भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर पटाखे और पथर फेंके। अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर चेकरा डंककर प्रदर्शन करने पर रोक के बावजूद नकाबपोश प्रदर्शनकारी उपद्रव मचाते दिखे।

दक्षिणपंथी रैली के विरोध में उतरे लोग: ऑरलियंस शहर में मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी के सम्मेलन के खिलाफ हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला। ली पेन छह महीने बाद होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में इमैनुएल मैक्रों की जगह लेने के लिए अभियान की शुरुआत कर रही हैं और सर्वे बताते हैं कि वे दौड़ में सबसे आगे हैं। प्रदर्शनकारी मैक्रों और ली पेन दोनों का विरोध कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार भीड़ नारे लगाए-मैक्रों इस्तीफा दो, ली पेन जेल जाओ। पुलिस ने ऑरलियंस में प्रदर्शनकारियों की संख्या 11,000 बताई, जबकि आयोजकों का दावा था कि 26,000 लोग मौजूद थे।

सीधी में 9 ग्राम रोजगार सहायकों का वेतन रोकने की कार्रवाई ,जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद ने योजनाओं की समीक्षा कर कम प्रगति वाले कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सीधी की विभिन्न शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान लापरवाही के मामले सामने आए हैं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद की अध्यक्षता में शनिवार को जनपद पंचायत सीधी के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्धारित मानव दिवस सुजन में कमी पाए जाने पर नौ ग्राम पंचायतों के ग्राम रोजगार सहायकों के वेतन आहरण पर रोक लगाने की कार्रवाई की गई वहीं, दो ग्राम पंचायतों के ग्राम रोजगार सहायकों को सिपरी पोर्टल पर एक भी कार्य प्रेषित नहीं करने के मामले में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, वीबी-जी-रामजी, पंचायती राज, स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों और कर्मचारियों को लंबित कार्यों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा निर्धारित



लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

नौ ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायकों पर कार्रवाई: वीबी-जी-रामजी योजना के अंतर्गत निर्धारित मानव दिवस सुजन में कमी पाए जाने पर ग्राम पंचायत गाड़ा, लोलर सिंह, जमुनिहा कला, देवगढ़, बम्हनी, नौडिया, पटेहरा खुर्द, सतनारा और पवई के ग्राम

रोजगार सहायकों के वेतन आहरण पर रोक लगाने की कार्रवाई की गई इसी प्रकार ग्राम पंचायत जोगीपुर और पीपरौहर के ग्राम रोजगार सहायकों द्वारा सिपरी पोर्टल पर एक भी कार्य प्रेषित नहीं किए जाने का मामला सामने आया इस पर संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। बैठक में योजनाओं

के क्रियान्वयन में लापरवाही और कम प्रगति वाले बिंदुओं पर सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

आवास निर्माण और भुगतान की स्थिति की समीक्षा: बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास निर्माण और हितग्राहियों को भुगतान की स्थिति की जानकारी ली गई वीबी-जी-

रामजी योजना के तहत किए गए कार्यों तथा पंचायती राज से संबंधित गतिविधियों की भी समीक्षा की गई इसके अलावा ओएसआर के अंतर्गत परिवार पंजीयन, कर अधिरोपण और कर भुगतान की स्थिति पर चर्चा हुई दृष्टि पोर्टल पर ऑनलाइन ऑडिट, पीआरडी पोर्टल पर परिसंपत्तियों के पंजीयन तथा ग्राम पंचायतों के लंबित बिजली बिलों के भुगतान की प्रगति की जानकारी भी ली गई।

भवन निर्माण और स्वच्छता कार्यों पर जोर : समीक्षा बैठक में अटल पंचायत भवन, सामुदायिक भवन और आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की स्थिति का आकलन किया गया स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों तथा पीएम पोषण योजना में रसोइयों की समग्र ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों से संबंधित गतिविधियों और लोकोश पोर्टल पर दर्ज प्रगति की जानकारी ली गई इसके साथ ही

पूर्व में जारी निर्देशों के पालन की स्थिति पर भी चर्चा की गई।

समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश: जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए लंबित कार्यों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करते हुए कम प्रगति वाले कार्यों में शीघ्र सुधार लाया जाए उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। बैठक में जनपद पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदलाल पनिका, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी, विभिन्न योजनाओं के प्रभारी अधिकारी, पंचायत समन्वय अधिकारी, उपयंत्री, जनपद स्तरीय कर्मचारी तथा जनपद पंचायत सीधी की सभी 115 ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

टमसार में नगाड़ा उत्सव का आगाज, 8 राज्यों के लोकनृत्यों से सजी सांस्कृतिक शाम

विधायक कुँवर सिंह टेकाम बोले—लोक उत्सव विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम	
	लिया उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक कुँवर सिंह टेकाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्यामवती सिंह, जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, जनपद सदस्य जमुनी देवी, ग्राम पंचायत सरपंच मकरन्द सिंह, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्र और बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी सहित जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। लोककला हमारी सांस्कृतिक पहचान : विधायक: विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि लोककला और पारंपरिक नृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं पहचान हैं ऐसे आयोजन देश के विभिन्न क्षेत्रों की परंपराओं, लोकजीवन और सांस्कृतिक विविधता को जानने का अवसर प्रदान करते हैं उन्होंने कहा कि लोककलाओं का संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है ताकि यह विरासत आने वाली पीढ़ियों तक पहुंच सके। उन्होंने नगाड़ा उत्सव जैसे आयोजनों को विभिन्न राज्यों की लोकपरंपराओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी जुड़ाव बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। पहले दिन लोकनृत्यों ने बांधा समा: उत्सव के प्रथम दिन मध्यप्रदेश के तालकचहरी, गुदुमबाजा और घसियाबाजा नृत्यों की प्रस्तुति दी गई इसके साथ हरियाणा के बनचारी, छत्तीसगढ़ के गौर और कर्नाटक के डोलुकुनीथा नृत्य ने दर्शकों को आकर्षित किया।

महाराजा अजमीढ़ जयंती पर निकली शोभायात्रा, बीटीआई मैदान में ‘स्वर्णकार गुंज’ समारोह



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महाराजा अजमीढ़ जयंती के अवसर पर रविवार को सतना में स्वर्णकार समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली शहर के प्रमुख मार्गों से निकली यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया इसके बाद बीटीआई मैदान में स्वर्णकार गसमारोह आयोजित हुआ जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए शोभायात्रा सुबह 11 बजे

शुभारंभ हुआ 24 से 26 अक्टूबर तक आयोजित इस उत्सव में मध्यप्रदेश सहित आठ राज्यों के कलाकार अपनी पारंपरिक लोककलाओं और नृत्यों की प्रस्तुतियां दे रहे हैं पहले दिन विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह

CM के दौरे से पहले शहडोल में कांग्रेसियों पर कार्रवाई, काले झंडे दिखाने की तैयारी के बीच हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल दौरे से पहले जिले में राजनीतिक हलचल तेज हो गई मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज करने की तैयारी कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया यह कार्रवाई शहडोल, धनपुरी, बुढ़ार और अमलाई थाना क्षेत्रों में की गई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई, भ्रष्टाचार और

कमजोर व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी की थी पुलिस की कार्रवाई के बाद जिले में राजनीतिक गतिविधियां चर्चा का विषय बन गईं।

काले कपड़े पहनकर विरोध की तैयारी: जानकारी के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान काले झंडे दिखाकर अपना विरोध दर्ज करना चाहते थे कुछ

कार्यकर्ता काले कपड़े पहनकर और राजनीतिक तस्वीरें लेकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में थे कांग्रेस की ओर से सरकार के खिलाफ विभिन्न मुद्दों को उठाने की योजना बनाई गई थी हालांकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले ही पुलिस सक्रिय हो गई और अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए विरोध की तैयारी कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं की कुल संख्या और उनकी पहचान के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

तेरूपता बोनस वितरण और विकास कार्यों का कार्यक्रम: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को शहडोल जिले के दौरे पर पहुंचे उनके कार्यक्रम में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र में तेरूपता संग्रहकों को बोनस वितरण तथा विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण शामिल था कार्यक्रम के दौरान करीब 400 करोड़ रुपए के विकास कार्यों से संबंधित गतिविधियां प्रस्तावित थीं मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों की गई थीं इसी बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन की तैयारी किए जाने से पुलिस और प्रशासन की गतिविधियां भी बढ़ गईं।

पुलिस कार्रवाई के बाद राजनीतिक दौरेल गरमाया: मुख्यमंत्री को सहे पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई ने जिले में राजनीतिक चर्चा तेज कर दी है कांग्रेस सरकार की नीतियों और स्थानीय मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज करने की तैयारी में थी जबकि पुलिस ने कार्यक्रम से पहले ही संबंधित थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की।

विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण शामिल था कार्यक्रम के दौरान करीब 400 करोड़ रुपए के विकास कार्यों से संबंधित गतिविधियां प्रस्तावित थीं मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों की गई थीं इसी बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन की तैयारी किए जाने से पुलिस और प्रशासन की गतिविधियां भी बढ़ गईं।

पुलिस कार्रवाई के बाद राजनीतिक दौरेल गरमाया: मुख्यमंत्री को सहे पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई ने जिले में राजनीतिक चर्चा तेज कर दी है कांग्रेस सरकार की नीतियों और स्थानीय मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज करने की तैयारी में थी जबकि पुलिस ने कार्यक्रम से पहले ही संबंधित थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की।

सीधी में 30 अक्टूबर को जिला स्तरीय युवा उत्सव, पांच विधाओं में दिखेगी युवाओं की प्रतिभा

लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, कविता लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिताएं होंगी माय भारत पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले

महाविद्यालय सीधी के देवी अहिल्याबाई सभागार में आयोजित होगा इसमें युवाओं को अपनी सांस्कृतिक, रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा संचालनालय खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश भोपाल तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार आयोजित इस उत्सव का उद्देश्य युवा एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं के विचारों को मंच प्रदान करना है। युवा उत्सव के नवीन स्वरूप में यंग लीडर्स एवं सांस्कृतिक ट्रैक के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

15 से 29 वर्ष के युवा ले सकेंगे भाग: आयोजकों के अनुसार, 17 अगस्त 2026 की स्थिति में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतियोगिताओं में शामिल हो सकेंगे जिला स्तरीय युवा उत्सव में पांच विधाएं निर्धारित की गई हैं इनमें

समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, कविता लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिता शामिल हैं। प्रत्येक प्रतिभागी को केवल एक विधा में भाग लेने की अनुमति होगी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगे संभाग और राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को अपनी कला, अभिव्यक्ति और रचनात्मक क्षमता सामने लाने का मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

माय भारत पोर्टल पर पंजीयन जरूरी: युवा उत्सव में भाग लेने के लिए माय भारत पोर्टल पर पंजीयन करना अनिवार्य है पंजीयन नहीं करने वाले प्रतिभागियों अथवा दलों को प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर नहीं मिलेगा आवेदन के साथ फोटो, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र अथवा कक्षा 10वीं की अंकेसूची तथा बैंक पासबुक की छयप्रति जमा

करना आवश्यक है भारत सरकार के निर्देशानुसार, पिछले वर्ष युवा उत्सव की संस्कृतिक गतिविधियों में भाग ले चुके युवा इस वर्ष इन गतिविधियों में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे। इच्छुक प्रतिभागियों को पंजीयन और दस्तावेजों से संबंधित औपचारिकताएं समय रहते पूरी करनी होंगी।

अधिक जानकारी के लिए यहां करें संपर्क: युवा उत्सव में भाग लेने और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए जिला खेल एवं युवा कल्याण कार्यालय, सीधी में संपर्क किया जा सकता है जिला खेल प्रशिक्षक मानिन्द शेर अली खान (मो. 9111925022), ब्लॉक समन्वयक जयवीर सिंह (मो. 9165887178), कृष्णानन्द मिश्रा (मो. 9425424495), अमित कुमार द्विवेदी (मो. 8305629309), सरोज पेडन (मो. 9993227893) और ललित सावंत (मो. 6266826259) से जानकारी ली जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

सीधी में गाय की दोनों आंखें जखमी मिलने से आक्रोश, पशु क्रूरता की शिकायत पर मामला दर्ज



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के खुटेली गांव में एक गाय की दोनों आंखें गंभीर रूप से जखमी हालत में मिलने का मामला सामने आया है गाय के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए घायल गाय की देखभाल की और उपचार के लिए शहडोल भेजने की व्यवस्था की रविवार को बहरी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है घटना को लेकर गांव में नाराजगी का माहौल है।

गुरुवार को ग्रामीणों ने देखा था: जानकारी के अनुसार, खुटेली गांव में ग्रामीणों ने गुरुवार को गाय को घायल अवस्था में देखा था गांव के अनुरुद्ध पांडे के मुताबिक, गाय की दोनों आंखें बुरी तरह जखमी थीं उस समय ग्रामीण गाय को पकड़ नहीं सके इसके बाद शनिवार रात गाय को पकड़ने में सफलता मिली रविवार को उसे बेहतर उपचार के लिए शहडोल स्थित अटल गौ सेवा संस्थान भेज दिया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

गाय की हालत सामने आने के बाद ग्रामीणों ने उसकी देखभाल के लिए पहल की स्थानीय लोगों ने घायल पशु को उपचार उपलब्ध कराने और उसके खाने-पीने की व्यवस्था करने में सहयोग किया।

शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मामला: मामले में बहरी थाना प्रभारी राजेश पांडे ने बताया कि पशु क्रूरता की शिकायत मिलने पर मामला दर्ज किया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी फिलहाल गाय की आंखें किस परिस्थिति में जखमी हुईं और घटना के पीछे कौन जिम्मेदार है यह जांच का विषय है पुलिस की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

करीब 40 ग्रामीणों ने उखाड़ देखभाल की जिम्मेदारी: घायल गाय की स्थिति को देखते हुए खुटेली गांव के करीब 40 लोग उसकी देखभाल और खाने-पीने की व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं ग्रामीणों ने इलाज के लिए गाय को शहडोल भेजने में भी मदद की घटना ने पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और उनकी सुरक्षा का मुद्दा फिर सामने ला दिया है ग्रामीणों में इस घटना को लेकर नाराजगी है और पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

मैहर के पंचमुखी हनुमान मंदिर से चांदी के 5 मुकुट चोरी, दान पेटी भी ले गए चोर

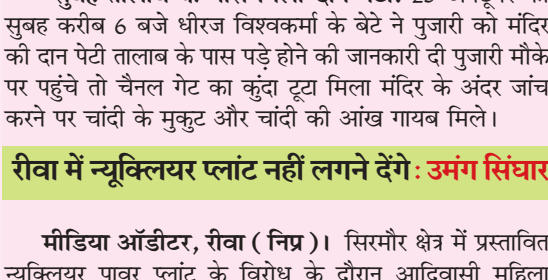


मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के नादन थाना क्षेत्र के बरहिया गांव स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में चोरों ने सेंध लगाकर चांदी के पांच मुकुट, चांदी की एक आंख और दान पेटी चोरी कर ली शनिवार और रविवार की दरमियानी रात हुई इस घटना का पता रविवार सुबह चला मंदिर की दान पेटी तालाब के पास टूटी हुई मिली पुजारी की शिकायत पर नादन पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रात में रामायण पाठ के बाद बंद किया था मंदिर: पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, बरहिया निवासी पुनेशानंद महाराज (45), पिता चंडिका प्रसाद तिवारी, पंचमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी हैं उन्होंने बताया कि 24 अक्टूबर की रात करीब 12 बजे रामायण पाठ समाप्त होने के बाद मंदिर में ताला लगाकर वे पास स्थित अपनी कुटिया में सोने चले गए थे आरोप है कि इसी दौरान अज्ञात चोर मंदिर के चैनल गेट का कुंदा तोड़कर अंदर घुसे और भगवान हनुमान के पांच छोटे-बड़े चांदी के मुकुट, चांदी की एक आंख और दान पेटी लेकर फरार हो गए।

सुबह तालाब के पास मिली दान पेटी: 25 अक्टूबर को सुबह करीब 6 बजे धीरज विश्वकर्मा के बेटे ने पुजारी को मंदिर की दान पेटी तालाब के पास पड़े होने की जानकारी दी पुजारी मौके पर पहुंचे तो चैनल गेट का कुंदा टूटा मिला मंदिर के अंदर जांच करने पर चांदी के मुकुट और चांदी की आंख गायब मिले।

रीवा में न्यूक्लियर प्लांट नहीं लगने देंगे: उमंग सिंघार



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिरमौर क्षेत्र में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट के विरोध के दौरान आदिवासी महिला विमला कोल की मौत का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है रविवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे उन्होंने स्पष्ट कहा कि रीवा में न्यूक्लियर पावर प्लांट नहीं लगने देंगे और इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएंगे सिंघार ने मृतका के परिवार को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी।

तहसीलदार से रिपोर्ट पर सवाल: परिवार से मुलाकात के दौरान सिंघार ने तहसीलदार ललन और नायब तहसीलदार बिंदू तिवारी से विमला कोल की मौत की रिपोर्ट अब तक नहीं भेजे जाने पर नाराजगी जताई तहसीलदार ने मौखिक रिपोर्ट भेजने की बात कही जिस पर सिंघार ने अधिकारियों से जवाब मांगा।

मौत की परिस्थितियों पर अलग-अलग दावे: महिला की मौत को लेकर कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी और मृतका के पति जमुना कोल के बयानों में अंतर सामने आया है। कलेक्टर के अनुसार, विमला की मौत गिरने से हुई थी और वह आंदोलन में शामिल नहीं थीं। वहीं, जमुना कोल और ग्रामीणों का दावा है कि जल सत्याग्रह के दौरान नवीयत बिगड़ने के बाद विमला जमीन पर बैठ गई थीं और उनकी मौत हो गई पति ने आंदोलन में शामिल होने के फोटो और वीडियो होने की बात भी कही है।

ग्रामीणों ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी: विमला की मौत के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन के रुख पर सवाल उठते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की चेतावनी दी है। उनका विरोध प्रस्तावित परियोजना के साथ जमीन, पानी, पर्यावरण और ग्रामसभा की सहमति से जुड़े मुद्दों पर भी है सिरमौर क्षेत्र के कई कला और रेड्डीह गांवों के ग्रामीण प्रस्तावित परियोजना का विरोध कर रहे हैं। 9 अक्टूबर को तकनीकी जांच के लिए पहुंची बोसि मशीनों का काम ग्रामीणों ने रकबा दिया था अब महिला की मौत की परिस्थितियों और प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर विवाद जारी है।

फार्मा कंपनियों की मनमानी पर लगाम जरूरी

फार्मा कंपनियों की अनैतिक गतिविधियां विश्व भर में चिंता का कारण हैं। इन कंपनियों के अनुचित तौर-तरीके भारत में भी चर्चा के केंद्र में आते रहे हैं। कुछ समय पहले एक याचिका के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट से फार्मा कंपनियों के अनैतिक आचरण पर रोक लगाने की जो मांग की गई थी, उसके चलते सरकार ने इन कंपनियों की मार्केटिंग संबंधी रीति-नीति तय करने के लिए तीन सदस्यों वाली समिति गठित करने का फैसला लिया। यह समिति दो माह में अपनी

रिपोर्ट देगी। यह पहली बार नहीं, जब सुप्रीम कोर्ट ने फार्मा कंपनियों के उन तौर-तरीकों को गंभीरता से लिया हो, जिनके चलते लोगों को महंगी दवाएं खरीदने के लिए बाध्य होना पड़ता है। कुछ ही समय पहले उसने सवाल किया था कि आखिर 27 सौ की किसी दवा की कीमत मरीज तक पहुंचते-पहुंचते 27 हजार की कैसे हो जाती है? सुप्रीम कोर्ट ने इसे डकैती की संज्ञा दी थी। इस डकैती के मूल में फार्मा कंपनियों के अनैतिक तरीके और उनकी बेलगाम

मुनाफाखोरी है।

इसमें कुछ डाक्टर, निजी अस्पताल भी भागीदार बनते हैं और इसकी कीमत चुकाते हैं आम लोग। फार्मा कंपनियों के अनुचित-अनैतिक तरीकों पर रोक लगाने के लिए सरकार ने कुछ समय पहले दिशानिर्देश जारी किए थे, जैसे कि ये कंपनियां डाक्टरों को महंगे उपहार या नकदी नहीं दे

सकतीं, मनोरंजन या सेमिनार के नाम पर देश-विदेश की सैर नहीं करा सकतीं। इसके अतिरिक्त दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय करने और आधिकारिक अनुमति के पहले किसी दवा का प्रचार न करने के भी निर्देश दिए गए थे, लेकिन इन निर्देशों का कोई असर नहीं हुआ। कुछ डाक्टरों-निजी अस्पतालों और फार्मा

कंपनियों का अनैतिक गठजोड़ टूटा नहीं। इसके नतीजे में जेनरिक दवाओं का अपेक्षित प्रचार-प्रसार भी नहीं हो पाया। इन सबका दुष्परिणाम आम लोग उठा रहे हैं। वे स्वास्थ्य रक्षा के लिए डाक्टरों की लिखी महंगी दवा खरीदते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वह दवा उनकी सेहत में सुधार करे ही। कई बार ब्रांडेड यानी महंगी दवा का मतलब अच्छी गुणवत्ता वाली दवा नहीं भी होता। इससे खराब बात और कोई नहीं हो सकती कि फार्मा कंपनियों की अनैतिकता के चलते लोगों की जेब

तो हल्की हो हो, उनकी सेहत भी न सुधरे। यह एक तथ्य है कि अपने देश में प्रायः अनेक दवाओं की गुणवत्ता दोयम दर्जे की पाई जाती है। इसका मतलब है कि जिन नियामक-निगरानी संस्थाओं पर दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और साथ ही उनके मूल्यों का उचित निर्धारण करने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही ढंग से नहीं कर पा रही हैं। ऐसे में जो समिति गठित होने जा रही है, उसकी सिफारिशों को वैधानिक रूप दिया जाए, ताकि फार्मा कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगे।

सऊदी अरब में त्यभिचार के जर्म में फांसी से उपजे सवाल

तनवीर जाफ़री

सऊदी अरब की अल मजाल कंपनी में काम करने वाले बांग्लादेश के दो नागरिकों नज़रुल इस्लाम अब्दुल बासिर (पुरुष-22) और स्वीटी अख़्तर (महिला) को गत 14 अक्टूबर को मक्का क्षेत्र में मृत्युदंड दे दिया गया। नज़रुल इस्लाम बांग्लादेश के ब्राह्मणबाड़िया ज़िले के रहने वाले थे जबकि स्वीटी अख़्तर तंगाइल ज़िले की निवासी थीं। यह दोनों एक दूसरे के दोस्त थे और 2022 के अंत में सऊदी अरब पहुंच कर वहाँ की अल मजाल नामक कंपनी में सफ़ाई कर्मचारी के रूप में काम करने लगे थे। उन्हें मई 2023 में सऊदी अरब की पुलिस ने गिरफ़्तार किया था। उन पर आरोप था कि इन दोनों ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का की एक मस्जिद के कमरे में अवैध व अनैतिक रूप से यौन कृत्य किया। बताया जा रहा है कि सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को पवित्र शहर मक्का के भीतर एक मस्जिद परिसर में इसी अभद्र कृत्य करने के आरोप में रो हाथों गिरफ़्तार किया था। इस मामले में 39 महीने तक यह दोनों जेल में रहे और इस बीच सुनवाई चलती रही। सऊदी गृह मंत्रालय के अनुसार इस घटना की गहन जांच की गई। उसके बाद निचली अदालत में मुकदमा चला। इसके बाद 13 न्यायाधीशों के पुनर्विचार करने वाले एक उच्च पैनल ने भी इस सज़ा को बरकरार रखा, जिसके बाद ही शाही फ़रमान के ज़रिए इसे लागू किया गया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, यह अपराध मक्का क्षेत्र में एक पवित्र मस्जिद परिसर के भीतर हुआ था। इस्लाम धर्म में मक्का और वहाँ की मस्जिदों को बेहद पवित्र माना जाता है। सऊदी न्यायशास्त्र के अनुसार, ऐसे स्थानों पर अनैतिक कृत्य करना एक गंभीर धार्मिक और क़ानूनी अपराध है, जिसके लिए कठोरतम सज़ा का प्रावधान है। फांसी की यह सज़ा ताज़ीर के तहत दी गई थी। शरिया में ताज़ीर उन अपराधों के लिए होता है जिनकी सज़ा क़ुरान या हदीस में तय नहीं होती, बल्कि न्यायाधीश स्वयं अपराध की गंभीरता और समाज पर उसके प्रभाव को देखते हुए मौत की सज़ा तक का फ़ैसला ले सकते हैं। ताज़ीर क़ानून का अर्थ एक ऐसी सज़ा जो इतिहास में भूली न जा सके और जिसे सुनकर कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसी हक़त करने की भी ना सोचे। इस सज़ा की भले ही बांग्लादेश सहित विभिन्न मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना क्यों न की जा रही हो परन्तु सऊदी अरब के गृह मंत्रालय और न्यायिक अधिकारियों के दृष्टिकोण से इस सज़ा को उकते देश के क़ानूनों के अनुसार उचित माना गया है। फांसी देने के बाद सऊदी गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि सऊदी हुकूमत न्याय की रक्षा करने , सुरक्षा बनाए रखने और मस्जिदों की पवित्रता व मर्यादा का उल्लंघन करने वाले या दूसरे के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ इस्लामी शरीया क़ानून सख़्तों से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी ऐसा अपराध करेगा उसका अंजाम यही होगा। सऊदी अरब का मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में उसे अपने देश की सीमाओं के भीतर अपने क़ानूनों को लागू करने का पूरा अधिकार है। गौरतलब है कि वहाँ की न्याय प्रणाली पूरी तरह से इस्लामी शरिया क़ानून पर आधारित है।

परन्तु इस घटना के बाद बांग्लादेश और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक तनाव गहरा गया है। बांग्लादेश सरकार और ज़ेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास को इस फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना या जानकारी नहीं थी। हालांकि गत सितंबर में सऊदी अरब द्वारा साझा की गई 2,500 कैदियों की सूची में इन दोनों के नाम जरूर थे परन्तु उनके नाम के साथ उन्हें दी जाने वाली मौत की सज़ा का कोई ज़िक्र नहीं था। बल्कि गोपनीय दस्तावेजों के मुताबिक स्वीटी अख़्तर पर व्यभिचार और नज़रुल इस्लाम पर साइबर अपराध के अलग-अलग आरोप दर्ज थे। इसलिये बांग्लादेश ने इस गुप्त फ़ांसी पर गंभीर आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम और राज्य मंत्री शमा आबैद इस्लाम ने कहा कि विव्यान कन्वेंशन ऑन कांसुलर रिलेशंस के तहत यह किसी विदेशी नागरिक को गिरफ़्तार किया जाता है या मौत की सज़ा दी जाती है, तो उसकी जानकारी संबंधित देश के दूतावास को देना अनिवार्य है। परन्तु सऊदी अरब ने बांग्लादेशी वाणिज्य दूतावास को सूचित किए बिना गुप्तचुप तरीक़े से फांसी दी इसलिये इसे राजनयिक स्तर पर पूरी तरह अनुचित माना गया है। इसीलिये ढाका ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब से अदालतीफ़ैसलों की प्रतियां, अपराधों का पूरा विवरण और बिना सूचना दिए फांसी देने का कारण पूछा है। बांग्लादेश की जनता में भी इस घटना को लेकर गहरा दुख और आक्रोश है।

एआई स्मार्ट स्वदेशी मदरचिप का बड़ा सपना सेवाए देने को तत्पर भारतीय सुपरचिप ?

दूरदर्शी वही होता है जो दूर तक देखता है, बहुत दूर की सोचता है । जिसे मौजूदा अवसरों में ही दूरगामी परिणामों की मनक लग जाती है । सरकार की दूरदर्शी नीतियों के चलते आज भारत में मौन इलेक्ट्रॉनिक जनक्रांति हो रही है, जिसके परिणाम दूरगामी हैं । एआई युग में हो रही इस इलेक्ट्रॉनिक क्रांति को क्या आप महसूस कर पा रहे हैं? इस लेख में हम इलेक्ट्रॉनिक जगत में जनक्रांति के ‘दूरय सत्य’ को मिलकर तलाशेंगे । इसका माध्यम बनेगा एक बड़ा सपना- एआई स्मार्ट ‘स्वदेशी मदरचिप’ का बड़ा सपना । इस लेख में हम ऐसे कई लोगों से मिलेंगे जो इस बड़े सपन को साकार करने में लगे हैं, ताकि हम भारतीय इलेक्ट्रॉनिक जगत में जल्द ही कुछ क्रांतिकारी सेवाएँ दे सकें । साथ ही हम उन संस्थानों से भी मिलेंगे जो एक एआई स्मार्ट, बहुउद्देशीय, त्वरित गणना की दृष्टि से सटीक और स्वदेशी सुपरचिप- मदरचिप ? (AUM) तैयार कर रहे हैं ।

धर्मेन्द्र तिवारी
हम पत्रकारों ने भी पिछले महीने इस जनक्रांति का अनुभव किया। अपनी आँखों से देखने के बाद मानना पड़ा कि हम भारतीय एआई स्मार्ट स्वदेशी मदर सुपरचिप का बड़ा सपना साकार करने की दिशा में संतोषजनक प्रगति कर रहे हैं। 17 से 19 सितंबर तक राजधानी नई दिल्ली में आयोजित सेमीकॉन 2026 प्रदर्शनी में पत्रकारों ने इस इलेक्ट्रॉनिक क्रांति के कई साक्ष्य देखे। हमें यह एहसास भी हुआ कि ‘मेड इन इंडिया’ चिप्स ने चुपचाप इस बड़ी

जनक्रांति को शक्ति देना शुरू कर दिया है। कम बिजली खपत में अधिक काम करने वाली एआई स्मार्ट स्वदेशी मदर सुपरचिप, समय की माँग है।

एआई युग में एआई स्मार्टफोन उपयोगकर्ता एआई सर्वरों से कठिन सवाल पूछते हैं, वो भी एक साथ कई। एक साथ सबका सटीक व सही जवाब देना इस इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का चरम बिंदु होगा। यह बड़ा काम संतोषजनक तरीके से करने के लिए दुनिया के सभी देशों को चाहिए एक एआई स्मार्ट स्वदेशी मदरचिप, जिसे हमने इस प्रदर्शनी में आकार लेते देखा। हम सभी भारतीयों के आज किए जा रहे सामूहिक महाउद्यम का दूरगामी परिणाम है ? नाम की यह एआई स्मार्ट स्वदेशी मदरचिप। सेमीकॉन प्रदर्शनी के ग्र-ष्ट्र स्टॉल पर भारत में ही तैयार हो रही इस एआई स्मार्ट मदरचिप की झलक हमने देखी। साथ ही हमने देखा भारतीय एआई सर्वर ‘परम रुद्र’, जो बड़ी बेसब्री से अपनी मदरचिप का इंतजार कर रहा है। यह मदर सुपरचिप जल्द एक ऐसा महामस्तिष्क होगी जो कि ‘परम रुद्र’ जैसे स्वदेशी सर्वरों में लगेगी।

सेवाएँ तो ‘परम रुद्र’ जैसे सर्वर आज भी देश के लोगों को दे रहे हैं पर वे पूरी तरह से स्वदेशी नहीं हैं। आज इसकी मदरचिप विदेशी है। ग्र-ष्ट्र की यह मदरचिप रु? एक स्वदेशी 96-कोर हार्ड-परफॉर्मंस क्यूबिटिंग प्रोसेसर है। सेमीकॉन ने हमें बताया कि ? वेतमान में विकास के उन्नत चरण में है। पिछले 11 वर्षों में भारत ने जो बड़ी सुपरक्यूबिटिंग उपलब्धियाँ हासिल की हैं, उन्हें देखना आँखें खोलने वाला था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वरिष्ठ वैज्ञानिक सुश्री सुनीता वर्मा ने हमें बताया कि सरकार की दूरगामी नीतियों और वैज्ञानिकों के सटीक गणना शोध के कारण हम इस बड़े मदर सुपरचिप स्वप्न के साकार होने के बेहद करीब हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और ग्र-ष्ट्र इसके लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं। ? को 5उद्घ प्रोसेस नोड पर फैब्रिकेट कर रहा है। इससे द्दह हह१1 द्दहबाइ डू2 अर्किटेक्चर का उपयोग करके बनाया गया है।

? बड़े पैमाने पर एआई, मशीन लर्निंग और वैज्ञानिक सिमुलेशन जैसे समानांतर वर्कलोड को बड़ी कुशलता से लक्षित कर सकता है। यह न केवल सूचनात्मक रूप से बुद्धिमान है बल्कि स्वाभाविक रूप से एक समझदार मदरचिप भी सपना साकार करने की दिशा में संतोषजनक प्रगति कर रहे हैं। 17 से 19 सितंबर तक राजधानी नई दिल्ली में आयोजित सेमीकॉन 2026 प्रदर्शनी में पत्रकारों ने इस इलेक्ट्रॉनिक क्रांति के कई साक्ष्य देखे। हमें यह एहसास भी हुआ कि ‘मेड इन इंडिया’ चिप्स ने चुपचाप इस बड़ी

तभी दूरदर्शी कहेंगी, जब हम सभी भारतीय मिलकर एआई स्मार्ट स्वदेशी मदरचिप तैयार करने के बड़े सपने को साकार कर पाएँगे। यह सपना शोधकर्ता, चिप उद्योग के दिग्गज, युवा मस्तिष्क और नीति-निर्माता सभी मिलकर देख रहे हैं और इसे साकार करने के लिए एकजुट भी हैं।

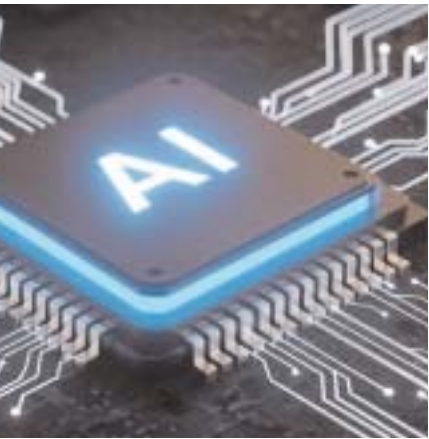
मैंने प्रदर्शनी में अनेक स्टॉलों का दौरा किया और वहीं प्रतिनिधियों से बातचीत की, कई गहन प्रश्न पूछे। जिस इलेक्ट्रॉनिक जनक्रांति का चरम भारतीय मदरचिप है, उसकी कहानी सरल है। सरकार नींव रख रही है, राष्ट्र को इस सपने को साकार करना है। नींव दो है— छोटी-छोटी कई भारतीय चिप्स और एक एआई स्मार्ट मदरचिप। पहली नींव अच्छी तरह से रखी जा चुकी है, दूसरी नींव पर भी हम अच्छी गति से आगे बढ़ रहे हैं, ताकि हम इलेक्ट्रॉनिक्स की इस एआई-स्मार्ट दुनिया में जल्द ही एक शीर्ष वैश्विक शक्ति बन सकें।

हमारी ‘मेड इन इंडिया’ भारतीय चिप्स, जो प्रदर्शनी में दिखाई गईं, इस स्वदेशी एआई स्मार्ट सुपरचिप स्वप्न का मजबूत आधार हैं। सो-दो से सौ रुपये से लेकर 1,500 रुपये तक की कीमत वाली कई स्वदेशी चिप्स मैंने प्रदर्शनी में देखीं। ये चिप्स इलेक्ट्रॉनिक सामानों में लगती हैं और हमें छोटें किचन मिक्सर, माइक्रो-ड्रिल व अन्य फोल्ड उपकरण बनाने में मदद करती हैं। पारंपरिक मोटर के बिना भी रोटेशन को संभव बनाती हैं ये जादुई चिप्स। इनकी मदद कर भारतीय उद्यमी ‘एआई-स्मार्ट उपकरण’ बना रहे हैं, जैसे ड्राइवर को झपकी आने पर यात्रियों को सतर्क करने में सक्षम इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद। ये अद्भुत चिप्स हमें निगरानी उपकरणों को डिजाइन करने में मदद करती हैं।

हम भारतीय चिप्स को टेप-आउट कर रहे

हैं और उन्हें वैश्विक बाजार में निर्यात भी कर रहे हैं। इस प्रकार पहली नींव अच्छी तरह से रखी जा चुकी है।

ये छोटी-छोटी चिप्स ज्यादातर वाणिज्यिक उपयोग की हैं। हम इनके अलावा आधुनिक गणना शोधों पर केंद्रित कुछ एआई स्मार्ट, सटीक और समझदार ? जैसे अन्य स्वदेशी चिप्स भी बना रहे हैं। दोनों ही हमारे सुपरचिप स्वप्न को उद्यम बल दे रही हैं। इस



स्वप्न को साकार करने के लिए हमें शांत दिमाग से अनेक काम एक साथ करने में माहिर जिस स्वदेशी मदर सुपरचिप की जरूरत है, रु ? उसी दिशा में भारतीय वैज्ञानिकों का एक अति-प्रभावी रोडमैप है। बाजार में मौजूद सुपरचिप्स से अधिक समझदार और बुद्धिमान एआई सर्वर चिप्स हमें भारत में ही बनानी होंगी। एआई स्मार्ट सुपरचिप्स न केवल चुनौतियों को एक साथ सेंस करती हैं बल्कि एआई आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स लगाकर विभिन्न प्रणालियों में अक्षमताओं को अपनी ‘पिछली समझ’ से ठीक भी करती हैं। ये चिप्स इसीलिए स्मार्ट हैं।

आजकल जीवन के हर क्षेत्र में ऐसी एआई स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लग रहे हैं। भारत के उद्यमी इन्हें सस्ती कीमत पर वैश्विक बाजार में निर्यात भी कर रहे हैं।

रोजमर्रा के जीवन में सहूलियत देने में ये चिप्स और मदरचिप्स काफी कारगर हैं। चाहे स्वास्थ्य क्षेत्र की कोई प्रणाली हो या शैक्षिक उपकरण, मनोरंजन की दुनिया हो या जीवन में सुख-सुविधाएँ बढ़ाते इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, सभी में छोटी-बड़ी चिप्स ही सर्किट का दिमाग बनकर मनुष्य जीवन को आसान कर रही हैं। समय आ गया है कि भारतीय उद्योग दूसरी नींव को सटीक, सही व अति त्वरित गणना करने में माहिर एआई स्मार्ट मदरचिप्स का वैश्विक बाजार बनाए, ताकि एआई युग में हम कई

लोगों की मनोरंजन की भूख भी एक साथ मिटा सकने की क्षमता स्वदेशी चिप्स से देश में ही विकसित कर सकें। दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले मोबाइल पेप्स के ग्राहकों की सेवा करने में भी हम भारतीय सक्षम हैं। हमारे सिद्ध सॉफ्टवेयर कौशल और हाल की चिप डिजाइनिंग व फैब्रिकेशन पहलों को देखते हुए यह इतना मुश्किल नहीं है।

विशाल बाजार को देखते हुए हम भारतीय मूक उपभोक्ता बने नहीं रह सकते। हमें भारत में एआई स्मार्ट सुपरचिप सर्वर बनाने होंगे और वैश्विक मांग को पूरा करना होगा। 1987 में अमेरिका ने हमें नवीनतम सुपरक्यूबिटिंग तकनीक देने से इनकार कर दिया था। हाल ही में बढ़ती मांग के दौरान हमने चिप की कमी की मार झेली। चिप आपूर्ति श्रृंखला पर वर्तमान में चीन सहित कुछ देशों का वर्चस्व है। रणनीतिक रूप से हमें सटीक और समझदार सुपरचिप्स की आवश्यकता है।

वे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। हमें संप्रभु बनने की जरूरत दिमाग से अनेक काम एक साथ करने में माहिर जिस स्वदेशी मदर सुपरचिप की जरूरत है, रु ? उसी दिशा में भारतीय वैज्ञानिकों का एक अति-प्रभावी रोडमैप है। बाजार में मौजूद सुपरचिप्स से अधिक समझदार और बुद्धिमान एआई सर्वर चिप्स हमें भारत में ही बनानी होंगी। एआई स्मार्ट सुपरचिप्स न केवल चुनौतियों को एक साथ सेंस करती हैं बल्कि एआई आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स लगाकर विभिन्न प्रणालियों में अक्षमताओं को अपनी ‘पिछली समझ’ से ठीक भी करती हैं। ये चिप्स इसीलिए स्मार्ट हैं।

आजकल जीवन के हर क्षेत्र में ऐसी एआई स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लग रहे हैं। भारत के उद्यमी इन्हें सस्ती कीमत पर वैश्विक बाजार में निर्यात भी कर रहे हैं। रोजमर्रा के जीवन में सहूलियत देने में ये चिप्स और मदरचिप्स काफी कारगर हैं। चाहे स्वास्थ्य क्षेत्र की कोई प्रणाली हो या शैक्षिक उपकरण, मनोरंजन की दुनिया हो या जीवन में सुख-सुविधाएँ बढ़ाते इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, सभी में छोटी-बड़ी चिप्स ही सर्किट का दिमाग बनकर मनुष्य जीवन को आसान कर रही हैं। समय आ गया है कि भारतीय उद्योग दूसरी नींव को सटीक, सही व अति त्वरित गणना करने में माहिर एआई स्मार्ट मदरचिप्स का वैश्विक बाजार बनाए, ताकि एआई युग में हम कई

की दुनिया में उतना ही कीमती है जितना हमारी स्थूल दुनिया में सोना, चांदी और प्लैटिनम। बहुत कम मात्रा के लिए इसकी कीमत 5 लाख रुपये से अधिक है। अगर हम हमारे पास पहले से मौजूद हाफनियम की नैनोस्कोपिक शुद्धता पर ध्यान दें, तो यह हमें चिप सामग्री आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्पष्ट बढ़त देगा। हमने कैमिकल और मेटलर्जी से जुड़ी एक भारतीय कंपनी की भी हाफनियम में गहरी सज्जित लेते देखा। मुझे ग्र-स्व्थ स्टॉल पर फोटोरेसिस्ट तकनीक के बारे में पता चला। फोटोरेसिस्ट चिप आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण तत्व है। यह एक प्रकाश-संवेदनशील कार्बनिक सामग्री या रोजिन है जिसका उपयोग सर्किट पैटर्न को सल्बस्ट्रेट, सिलिकॉन वेफर पर स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार चिप्स की फोटोलिथोग्राफी और माइक्रोफैब्रिकेशन के दौरान फोटोरेसिस्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तो इस प्रकार जहाँ हम चिप आपूर्ति चेन को मजबूत कर रहे हैं, वहीं छोटी-छोटी भारतीय वाणिज्यिक व एआई स्मार्ट मदरचिप भी बना रहे हैं, ताकि भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियाँ जगह अपने स्वदेशी एआई मॉडल्स बनाएँ तो हमारे पास खुद का बुनियादी ढांचा हो। हमारी पारम्परिक विद्यार्ण व आधुनिक शोध संस्थाओं का ज्ञान एआई सर्वरों के इसी बुनियादी ढांचे के माध्यम से हम भारतीय लोगों तक पहुँचा सके, वो भी बिल्कुल सस्ते में। हमारे इसी स्वप्न के साकार होने के लिए रु? को भारतीय एआई सर्वर की मदरचिप बनना है ? क्लाउड रेंटल के माध्यम से उपलब्ध प्रोप्राइटरी हाइपरस्केलर चिप्स के विपरीत है। लॉन्च होने पर, रूहम भारतीयों के लिए भीतिक संप्रभु बुनियादी ढांचे के लिए सुलभ हार्डवेयर होगा।

हम रु? को एक वाइज सुपरचिप मान सकते हैं जो सेवा अनुरोधों को तेजी और समझदारी दोनों से संसाधित करती है। एक बार, रूका टेप-आउट हो जाने के बाद भारत का दुनिया की बाजार के लिए भी रील बनाने का उद्यम कर सकते हैं। इस प्रकार हम प्रतिस्पर्धी कीमत पर दुनिया के लिए रचनात्मक सामग्री बना सकते हैं। यह न केवल नौकरियाँ पैदा करेगा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में उद्यमिता और रोजगार की संभावनाओं के अलावा भारत को एक क्रिएटर इकोनॉमी भी बनाएगा। सुपरचिप स्वप्न के साकार होने के साथ हम इलेक्ट्रॉनिक क्रांति की लहर पर सवार होकर एआई गुगु राष्ट्र बनने की आशा कर सकते हैं।

स्त्री की स्वतंत्रता पर बढ़ता बाजार और बदल रही सौंदर्य दृष्टि

आज की स्त्री स्वयं को पुरुषवादी व्यवस्था की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए संघर्षरत है। वह अपने अधिकार, स्वतंत्र निर्णय और समानताओं के लिए आवाज उठा रही है। यह संघर्ष निःसंदेह समय की आवश्यकता है क्योंकि सदियों से चली आ रही सामाजिक रूढ़ियों ने स्त्री की स्वतंत्रता को सीमित करने का प्रयास किया है लेकिन इस संघर्ष के बीच एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है कि क्या स्वतंत्रता की तलाश में स्त्री अनजाने उसी बाजारवादी व्यवस्था के हाथों का खिलाऊ बनती जा रही है, जिसका वह विरोध करना चाहती है? क्या आधुनिकता के नाम पर उसकी पसंद, पहनावा और सौंदर्यबोध को बाजार की शक्तियां नियंत्रित कर रही हैं?

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

वर्तमान समय में पहनावों को लेकर समाज में तेजी से बदलाव आया है। वस्त्रों की शैली, उनकी बनावट और शरीर को प्रदर्शित करने के तौर-तरीकों में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। इस परिवर्तन को आधुनिकता, व्यक्तिगत पसंद और आत्मविश्वास से जोड़कर देखा जा रहा है लेकिन इसके साथ यह समझना भी जरूरी है कि किसी व्यक्ति की पसंद कितनी स्वतंत्र है और कितनी विज्ञापन, फिल्म, फैशन उद्योग तथा सोशल मीडिया द्वारा निर्मित की गई है। बाजार केवल वस्त्रों नहीं बेच रहा, वह इच्छाएं भी पैदा कर रहा है। वह सुंदरता की परिभाषा गढ़ रहा है, आकर्षण के मानक निर्धारण भी कर रहा है और फिर उन्हीं मानकों के अनुरूप बनने के लिए उपभोक्ताओं को प्रेरित कर रहा है। इस प्रक्रिया में स्त्री का शरीर एक बड़े व्यावसायिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर परिधान, फिल्म, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग तक, स्त्री की छवि का इस्तेमाल उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए किया जा रहा है। विडंबना यह है कि स्त्री को अपनी पसंद का अधिकार देने का दावा करने वाला बाजार कई बार उसकी पसंद को भी अपने लाभ के अनुसार दिशा दे रहा है, ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्त्री जो पहन रही है, वह उसकी स्वतंत्र अभिव्यक्ति है या उस अभिव्यक्ति पर बाजार के प्रभाव का परिणाम?

पुरुषवादी मानसिकता का बदलता स्वरूप पुरुषवादी व्यवस्था हमेशा स्त्री पर प्रत्यक्ष

प्रतिबंध लगाकर ही काम नहीं करती। कई बार वह आकर्षण, प्रशंसा और सामाजिक स्वीकृति के माध्यम से भी अपने मानदंड स्थापित करती है। पहले स्त्री से अपेक्षा की जाती थी कि वह समाज की निर्धारित मर्यादाओं के अनुरूप रहे। आज कुछ क्षेत्रों



में उसके सामने एक दूसरी अपेक्षा खड़ी कर दी गई है- वह आधुनिक दिखे, आकर्षक लगे, अपनी देह को प्रदर्शित करने से संकोच नहीं करे और प्रचलित सौंदर्य मानकों पर खरी उतरे, यहां विरोधाभास दिखाई देता है। जिस स्त्री को पहले उसके शरीर को ढकने के लिए सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ता था, वही स्त्री आज कुछ परिस्थितियों में शरीर को अधिक प्रदर्शित करने के लिए सामाजिक और

व्यावसायिक दबाव झेल रही है। दोनों स्थितियों में समस्या वस्त्रों की लंबाई या बनावट मात्र नहीं बल्कि स्त्री के निर्णय पर किसी दूसरे की अपेक्षाओं का प्रभाव है। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या स्त्री को अपनी पसंद चुनने की स्वतंत्रता है या उसे किसी

खास तरह से दिखने के लिए विवश किया जा रहा है? सुंदरता की परिभाषा और देह का बाजार एक समय सुंदरता का मूल्यांकन चेहरे की सहजता, व्यक्तित्व, व्यवहार, संवेदनशीलता और विचारों की परिपक्वता से किया जाता था। आज भी ये गुण महत्वपूर्ण हैं लेकिन लोकप्रिय संस्कृति के कुछ हिस्सों में शारीरिक आकर्षण को असाधारण

महत्व मिलने लगा है। आकर्षक दिखने की प्रतिस्पर्धा, सोशल मीडिया पर प्रशंसा पाने की आकांक्षा और लोकप्रियता की दौड़ ने इस प्रवृत्ति को और बल दिया है। फैशन उद्योग और मनोरंजन जगत में स्त्री की देह को आकर्षण का माध्यम बनाना कोई नई बात नहीं है। अंतर यह है कि अब डिजिटल मंचों के कारण यह प्रक्रिया अधिक व्यापक और निरंतर हो गई है।

वस्त्रों से आगे विचारों का प्रश्न वस्त्र किसी व्यक्ति की संपूर्ण संस्कृति, नैतिकता या चरित्र का प्रमाण नहीं होते। शालीनता का निर्धारण केवल कपड़ों की लंबाई से नहीं किया जा सकता, न ही आधुनिक परिधान किसी के संस्कारालीन होने का प्रमाण है। इसी प्रकार पारंपरिक वेशभूषा पहनने वाला प्रत्येक व्यक्ति नैतिक रूप से श्रेष्ठ हो, यह भी आवश्यक नहीं है। इसलिए चिंता का विषय यह नहीं होना चाहिए कि स्त्री क्या पहन रही है बल्कि वह होना चाहिए कि स्त्री स्वयं उसके पहनावे को किस दृष्टि से देखता है और बाजार उसकी छवि का किस प्रकार उपयोग करता है। यदि किसी विज्ञापन में स्त्री को केवल उपभोग की वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रस्तुति की आलोचना आवश्यक है। लेकिन उसी आधार पर स्त्री के निजी निर्णयों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करना भी स्वतंत्रता के सिद्धांत के विरुद्ध होगा।

भारतीय समाज के सामने वास्तविक चुनौती भारतीय समाज आज परंपरा और आधुनिकता के बीच संवाद के दौर से गुजर रहा है। एक ओर परिवार, संस्कृति और सामाजिक उन्नदायित्व की

अपेक्षाएँ हैं तो दूसरी ओर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और आत्मनिर्णय की आकांक्षाएँ। इन दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना समय की आवश्यकता है। पश्चिमी समाजों की नकल करना या हर आधुनिक प्रवृत्ति को सांस्कृतिक पतन मान लेना, दोनों ही दृष्टिकोण अंधूरे हैं। प्रत्येक समाज को अपने अनुभव, मूल्य और बदलती परिस्थितियों के आधार पर विवेकपूर्ण निर्णय लेना चाहिए। संस्कृति कोई स्थिर वस्तु नहीं है; वह समय के साथ बदलती है लेकिन इलेक्ट्रॉनिक की दिशा का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उससे मनुष्य की गरिमा, स्वतंत्रता और सामाजिक संवेदनशीलता मजबूत होती है या कमजोर।

वर्जनीहान खुलेपन की बहस का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि स्वतंत्रता और बाजार द्वारा निर्मित इच्छाओं के बीच अंतर पहचाना जाय। बाजार का उद्देश्य लाभ कमाना है इसलिए वह मनुष्य की भावनाओं, इच्छाओं और आकर्षणों का व्यावसायिक उपयोग कर सकता है, ऐसे में स्त्री हो या पुरुष, दोनों के लिए यह समझना आवश्यक है कि उनकी पसंद के पीछे कौन-सी रुढ़ियां काम कर रही हैं। स्त्री को पुरुषवादी मानसिकता से मुक्त करना आवश्यक है लेकिन उसे बाजारवादी मानसिकता के अधीन होने जाने से बचना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अतः प्रश्न यह नहीं है कि स्त्री कितना ढंक रही है या कितना प्रदर्शित कर रही है। असली प्रश्न यह है कि उसके निर्णय का स्वामी कौन है- वह स्वयं, समाज की रुढ़ियां या बाजार की लालच-केंद्रित दृष्टि?

बिलासपुर में 160 करोड़ के सड़क निर्माण कार्य अटके, डामर की दरें बढ़ने से थमा काम

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जर्जर सड़कों का किया निरीक्षण, शासन के संशोधित दरों के आदेश का इंतजार निर्माण स्थलों पर पानी छिड़कने और सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। शहर में जर्जर सड़कों और उड़ती धूल से परेशान लोगों को राहत मिलने में अभी इंतजार करना पड़ सकता है डामर की दरें बढ़ने और संशोधित दरों पर शासन का आदेश नहीं मिलने से 160 करोड़ रुपए से अधिक के सड़क निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं शनिवार को कलेक्टर संजय अग्रवाल ने नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे के साथ पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अंतर्गत चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि निर्माण के दौरान आम लोगों की सुविधा सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माणाधीन सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव करने के निर्देश भी दिए ताकि धूल के कारण लोगों को परेशानी न हो। यातायात पुलिस के साथ समन्वय



बनाकर वाहनों की आवाजाही सुचारु रखने और दुर्घटनाओं की आशंका कम करने के लिए जरूरी सुरक्षा इंतजाम करने को कहा।
दयालबंद से दरीघाट तक 30 करोड़ के काम: कलेक्टर ने दयालबंद से दरीघाट तक सड़क मजबूतीकरण और लाल खदान ओवरब्रिज से दरीघाट तक फोरलेन सड़क निर्माण का जायजा लिया। करीब 30 करोड़ रुपए की

लागत वाले इन कार्यों को गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने के निर्देश दिए निर्माण में बाधा बन रहे सीएसईबी के बिजली खंभों की शिफ्टिंग प्राथमिकता से करने और संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाने पर जोर दिया।

गुरुनानक चौक से शक्ति चौक तक 9 करोड़ खचें: मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत गुरुनानक चौक से स्मृति वन

और स्मृति वन से शक्ति चौक तक करीब 9 करोड़ रुपए की लागत से सड़क चौड़ीकरण डिवाइडर निर्माण और लाइटिंग का काम चल रहा है कलेक्टर ने इन कार्यों को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रखने के निर्देश दिए।
गौरव पथ और अन्य सड़कों की भी समीक्षा: अशोक नगर चौक से बिरकोना तक करीब



17 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे गौरव पथ का निरीक्षण कर कलेक्टर ने डामरीकरण से पहले के जरूरी काम शीघ्र पूरे करने को कहा वहीं साईंस कॉलेज से शनिचरी रपट तक करीब 4.50 करोड़ रुपए की लागत से प्रस्तावित सड़क निर्माण की समीक्षा की।
शासन के आदेश के बाद शुरू होगा डामरीकरण: डामर

की संशोधित दरों और प्राक्कलन से जुड़ी प्रक्रिया के कारण डामरीकरण का काम रुका हुआ है कलेक्टर ने बताया कि इस संबंध में शासन स्तर पर पत्राचार किया गया है। संशोधित दरों का आदेश मिलने के बाद डामरीकरण शुरू हो सकेगा तब तक अन्य निर्माण कार्यों में तेजी लाने और नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

CHO के तबादले के नाम पर 3.70 लाख की ठगी, अनूपपुर का आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (CHO) का मनचाही जगह तबादला कराने का झांसा देकर 3.70 लाख रुपए की ठगी करने के आरोपी महेंद्र को बाग पुलिस ने गिरफ्तार किया है अनूपपुर निवासी आरोपी को शुजालपुर से पकड़ा गया पुलिस ने उसे पांच दिन की रिमांड पर लिया है पूछताछ के दौरान ठगी की रकम बरामद करने और अन्य जिलों में दर्ज मामलों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है पुलिस के अनुसार, बाग ब्लॉक के ग्राम जामला में पदस्थ सीएचओ अनिता प्रजापत ने 20 दिसंबर 2025 को बाग थाने में शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत में बताया गया कि उनकी सहकर्मी गंगा परिहार के पास एक व्यक्ति का फोन आया उसने खुद को स्वास्थ्य विभाग का अधिकारी बताते हुए मनचाही जगह तबादला कराने का भरोसा दिया गंगा और अनिता ने रतलाम जिले में तबादले की इच्छा जताई इसके बाद आरोपी ने फोन-पे के माध्यम से रकम भेजने को कहा अनिता उनके पति महेश, गंगा और उनके पति फूलचंद ने मिलकर बताए गए नंबर पर दो लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए

तबादले की जानकारी स्वास्थ्यकर्मियों के सोशल मीडिया ग्रुप में साझा होने के बाद अन्य कर्मचारी भी आरोपी के संपर्क में आए। कुक्षी ब्लॉक के ग्राम उमरी में पदस्थ सीएचओ ममता धाकड़ ने रतलाम में तबादले के लिए 70 हजार रुपए भेजे। वहीं, बड़वानी में पदस्थ अनिता के भाई प्रकाश ने तबादले के नाम पर एक लाख रुपए ट्रांसफर किए। इस तरह कुल 3.70 लाख रुपए दिए गए तबादला सूची में नाम नहीं आने और संबंधित मोबाइल नंबर बंद मिलने पर स्वास्थ्यकर्मियों को ठगी का संदेह हुआ इसके बाद अनिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जानकारी के अनुसार कुछ अन्य सीएचओ ने भी तबादले के लिए रकम दी थी लेकिन उन्होंने शिकायत नहीं की बाग थाने की सब इंस्पेक्टर प्रमिला जमरे के मुताबिक आरोपी को शुजालपुर से गिरफ्तार कर पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उसके खिलाफ मंदसौर, शाजापुर और अनूपपुर में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज होने की जानकारी मिली है पुलिस अब रकम की बरामदगी और अन्य मामलों में आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है।

शरद पूर्णिमा पर अमरकंटक में उमड़ा आस्था का सैलाब, 20 हजार श्रद्धालुओं ने किया नर्मदा स्नान

उ—म मंदिर में पूजा-अर्चना कर मांगी सुख-समृद्धि; सोनमूड़ा कपिलधारा और माई की बगिया में भी पहुंचे पर्यटक

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रविवार को लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई सुबह से ही नर्मदा के विभिन्न घाटों पर स्नान का सिलसिला शुरू हो गया था। रेवती नक्षत्र के संयोग और अवकाश के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक अमरकंटक पहुंचे नर्मदा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के उद्गम मंदिर में पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। घाटों



पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। धार्मिक आस्था के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे धार्मिक स्थलों के साथ पर्यटन केंद्रों का किया भ्रमण अमरकंटक पहुंचे

श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने नर्मदा स्नान तथा मंदिर दर्शन के बाद क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया इनमें सोनमूड़ा, माई की बगिया, कपिलधारा, दूधधारा, जालेश्वर धाम, जैन मंदिर, यंत्र महामेरु

शक्तिपीठ मंदिर, अरंडी संगम और कबीर चबूतरा प्रमुख रहे। अवकाश के कारण इन स्थलों पर भी पर्यटकों की आवाजाही देखने को मिली शरद पूर्णिमा का धार्मिक महत्व धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण माना जाता है इस दिन पूजा-पाठ, दान-पुण्य और पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व बताया गया है मान्यता है कि शरद पूर्णिमा पर मां नर्मदा में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-शांति आती है इसी आस्था के चलते अमरकंटक में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर मां नर्मदा के दर्शन और पूजन करते हैं।

फतेहपुर पुलिस चौकी के तिराहे पर हादसा

जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के फतेहपुर इलाके में रविवार को नो एंट्री के दौरान ईंटों से भरे ट्रक की चपेट में आने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया ट्रक पर चढ़ने की कोशिश करते समय मजदूर का हाथ छूट गया और वह सड़क पर गिर पड़ा इसी दौरान ट्रक का पहिया उसके पैर पर चढ़ गया जिससे पैर बुरी तरह कुचल गया घायल को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया घटना फतेहपुर पुलिस चौकी के सामने तिराहे की है जानकारी के अनुसार ईंटों से भरा ट्रक क्रमांक UP78 DH1927 नो एंट्री के समय थैम रोड स्थित फॉरेस्ट चौकी से फतेहपुर की ओर जाने वाली सड़क से शहर में दाखिल हुआ था ट्रक जैसे ही



फतेहपुर पुलिस चौकी के तिराहे पर पहुंचा तभी गौशाला निवासी राजेंद्र आदिवासी ने उस पर चढ़ने का प्रयास किया इसी दौरान उसका हाथ छूट गया और वह नीचे गिर पड़ा ट्रक का पहिया उसके पैर पर चढ़ने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के बाद घायल राजेंद्र को ऑटो की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर

स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया बताया गया है कि राजेंद्र ईंट उतारने का काम करता है नो एंट्री में भारी वाहनों की आवाजाही पर सवाल शहर में नो एंट्री के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश की शिकायतें सामने आती रही हैं फतेहपुर पुलिस चौकी के सामने हुई इस घटना ने यातायात व्यवस्था और निगरानी पर सवाल खड़े किए हैं।

सीसीटीवी में दिखा मिर्ची चोर, दुकानदार ने पकड़कर पुलिस को सौंपा 3 किलो खड़ी मिर्ची की बोरी चुराने का आरोप पूछताछ में स्मैक के नशे का आदी होने की बात कही

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी। (निप्र)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक दुकानदार ने अपनी दुकान से मिर्ची चोरी करने के आरोपी युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया आरोपी दो दिन पहले आटा-मसाला चक्की से तीन किलो खड़ी मिर्ची से भरी बोरी चुराकर ले गया था दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में युवक बोरी ले जाते दिखाई दिया था रविवार को वही युवक दोबारा दुकान के पास से गुजरा, तो संचालक ने उसे पहचानकर पकड़ लिया जानकारी के अनुसार, लाखन कुशवाह की मनियर से नवाब साहब रोड पर नाले के पास आटा और मसाला पीसने की चक्की है दो दिन पहले उनकी दुकान से खड़ी मिर्ची की तीन किलो की बोरी गायब हो गई



थी। चोरी का पता चलने पर उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी इसमें एक युवक मिर्ची की बोरी लेकर जाता नजर आया रविवार को जब संदिग्ध युवक दोबारा दुकान के पास पहुंचा तो लाखन कुशवाह ने उसे पहचान लिया और पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने पहले अपना नाम शिवम बताया और खुद को

सतनवाड़ा का निवासी बताया बाद में उसे कोतवाली थाने ले जाया गया, जहां उसकी पहचान अनिल उर्फ गोलू व्यास के रूप में हुई स्मैक के नशे का आदी होने की बात कही दुकान संचालक के मुताबिक पूछताछ के दौरान युवक ने स्मैक के नशे का आदी होने की बात कही। उसने मनियर में मनोज कुचमुंदिया से स्मैक खरीदने की



जानकारी भी दी हालांकि नशा बेचने संबंधी इस कथन की स्वतंत्र पुष्टि पुलिस जांच से ही होगी पुलिस कर रही कार्रवाईकोतवाली थाने के एसआई सुमित शर्मा ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी अनिल उर्फ गोलू व्यास नशे का आदी है और पहले भी जेल जा चुका है पुलिस शिकायत के आधार पर मामले में कार्रवाई कर रही है।

बालिका क्रिकेट में ग्वालियर ने सागर को हराया, दक्षिता यादव का शानदार प्रदर्शन

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय बालिका क्रिकेट एवं बालक-बालिका नेटबॉल प्रतियोगिता में रविवार को ग्वालियर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। बालिका क्रिकेट में दक्षिता यादव के ऑलराउंड खेल की बदौलत ग्वालियर ने सागर को आसानी से हरा दिया दक्षिता ने पांच विकेट लेने के साथ 30 रन भी बनाए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया क्रिकेट मुकाबले में ग्वालियर ने ट्रांस जीतकर पहले गेंदबाजी की। सागर की टीम 12 ओवर में 56 रन पर सिमट गई। दक्षिता ने पांच बल्लेबाजों को आउट किया। जवाब में ग्वालियर ने एक विकेट खोकर 10 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया अन्य क्रिकेट मुकाबलों में भोपाल ने रीवा को 100 रन से हराया भोपाल की आर्या नायक ने नाबाद

93 रन बनाए टीम ने 145 रन बनाए जबकि रीवा 45 रन पर आउट हो गई इंदौर ने जबलपुर को 16 रन से और नर्मदापुरम ने जनजातीय कार्य विभाग की टीम को 26 रन से पराजित किया नेटबॉल के बालक वर्ग में ग्वालियर ने सागर को 31-5 से हराया। इंदौर ने जबलपुर को 22-6 और रीवा ने उज्जैन को 20-12 से मात दी बालिका वर्ग में ग्वालियर ने सागर को 19-3 से हराया भोपाल ने जबलपुर को 24-3, रीवा ने जनजातीय कार्य विभाग को 27-6 और उज्जैन ने जबलपुर को 10-7 से पराजित किया प्रतियोगिता के मुकाबले जिला क्रोड्ड अधिकारी चंद्रशेखर वेमटे, नेशनल कोच यादवेंद्र चौधरी, पूर्व क्रोड्ड अधिकारी महेंद्र सिंह तोमर, अजय बाथम और मनोज गुप्ता की देखरेख में आयोजित किए जा रहे हैं।



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया में युवक को कथित तौर पर जबरन बोलेरो में बैठाकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने शराब ठेकेदार और

भाजपा युवा मोर्चा के बनछेड़ी मंडल अध्यक्ष अटल राय को पांचवां आरोपी बनाया है मामले की जांच पिपरिया एसडीओपी आशीष पवार कर रहे हैं इससे

युवक से मारपीट मामले में भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अटल राय पांचवें आरोपी

जबरन बोलेरो में बैठाकर पीटने का आरोप, एसडीओपी की जांच के बाद पुलिस ने बढ़ाया आरोपी का नाम

पहले पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था जांच के बाद अटल राय का नाम भी प्रकरण में शामिल किया गया है पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा ने बताया कि शुरुआत में चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पांचवें आरोपी को भी प्रकरण में शामिल किया गया है पीड़ित बृजेश कहार के मुताबिक, 23 सितंबर की शाम करीब पांच बजे वह शोभापुर स्थित शराब दुकान से अंग्रेजी शराब की बोतलें लेकर बैग में रखकर घर लौट रहा

था इसी दौरान तौरन रोड पर महेश दुधानी के वेयरहाउस के पास एक सफेद बोलेरो उसके सामने आकर रुकी। आरोप है कि गाड़ी से उतरे चार लोगों ने उसके बैग की जांच की और फिर गाली-गलौज शुरू कर दी पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद उसे जबरन बोलेरो में बैठाया गया और हाथ-मुक्कों व थप्पड़ों से मारपीट की गई घटना से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें एक व्यक्ति युवक को थप्पड़ मारते दिखाई देता है बताया गया कि वीडियो वायरल होने के दो दिन बाद पुलिस ने गम्बर

शशि, रोहित और राजू के खिलाफ मामला दर्ज किया था ये सभी शराब ठेकेदार के कर्मचारी बताए गए हैं वायरल वीडियो में युवक शराब की बोतलों को अपने और साथी के इस्तेमाल के लिए ले जाने की बात कहता दिखाई देता है मामले की जांच के बाद अब अटल राय को भी आरोपी बनाया गया है शोभापुर से शराब खरीदकर पिपरिया जा रहे एक अन्य युवक के साथ 19 जुलाई को कथित मारपीट और बंधक बनाया था। आरोप था कि युवक को दो से तीन घंटे तक

रोके रखा गया और बाद में स्टेशन रोड थाने ले जाया गया। मामले के एसपी के संज्ञान में आने के बाद सोहागपुर थाने में अपहरण मारपीट सहित अन्य धाराओं में सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था इनमें बलवीर सिंह रावत, गम्बर सिंह रावत, शशि सिंह, राजकुमार झरिया, रोहित मिश्रा, मनीष उर्फ देवेंद्र राय और शिवा यादव के नाम शामिल थे पुलिस दोनों घटनाओं में साजने आए आरोपों के आधार पर कार्रवाई कर रही है आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के तहत होगी।

संक्षिप्त समाचार

आंगन में खड़ी बाइक चुराने वाला चोर पकड़ाया

सागर में लौंक तोड़कर अंदर घुसा था गाड़ी भी जब्त की



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के सुरखी थाना की ढाना चौकी पुलिस ने शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बाइक चोरी की वारदात करना स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, 22 अक्टूबर की रात ग्राम बांसिया निवासी फरियादी चरण गौड़ के घर के आंगन में खड़ी मोटरसाइकिल का लाक तोड़कर अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू की गई। टीम ने गांव में मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। मुखबिर के सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार को सदेही कमलेश पिता रामकेश गौड़ को गिरफ्तार किया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी के कब्जे से चोरी गई बाइक बरामद की गई। ढाना चौकी प्रभारी सत्यव्रत धाकड़ ने बताया कि बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

नौगांव में गल्ला व्यापारी की दुकान से गुल्लक चोरी

बाइक सवार एक लाख से ज्यादा की रकम ले गए, पुलिस पूछताछ में लगी



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव में एक गल्ला व्यापारी की दुकान से बाइक सवार दो युवक गुल्लक चोरी कर ले गए। अर्जुन पैलेस के पास स्थित व्यापारी बालादीन यादव की दुकान से चोरी हुई गुल्लक में एक लाख रुपए से ज्यादा की रकम होने की बात सामने आई है। घटना शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है। गुल्लक चोरी होने की सूचना मिलते ही नौगांव पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि बाइक सवार दोनों युवकों की पहचान की जा सके। फिलहाल आरोपियों का पता नहीं चल पाया है। चोरी गई रकम की सही जानकारी भी सामने आना बाकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्रेक फेल होने से यात्री प्रतीक्षालय में घुरसी वेकाबू बस

दीवार टूटी, बस में यात्री नहीं थे, बाल-बाल बचे लोग, ड्राइवर फरार



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के झिरनिया क्षेत्र में रविवार को एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर डेहरिया गांव में यात्री प्रतीक्षालय की दीवार तोड़ते हुए अंदर जा घुसी। अच्छी बात यह रही कि बस में यात्री नहीं थे। प्रतीक्षालय के आसपास बैठे लोग भी बाल-बाल बच गए। यह हादसा आदिवासी अंचल के चैनपुर क्षेत्र के डेहरिया में हुआ। सुरूर कंपनी की यह बस अचानक अनियंत्रित हुई।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन की तिथियां घोषित

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। शासन के सामाजिक न्याय एवं विद्यंगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन की तिथियां निर्धारित की गई हैं। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग हरदा श्री कमलेश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत प्रथम सम्मेलन 20 नवम्बर 2026 को देवउत्ती ग्यारस (तुलसी विवाह) के अवसर पर तथा द्वितीय सम्मेलन 11 फरवरी 2027 को बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित किया जाएगा।

75 लाख की पानी की टंकी टेस्टिंग में ही लीक:सीहोर में अमृत योजना के तहत बनी थी, जगह-जगह बहने लगा पानी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर गंज क्षेत्र में अमृत योजना के तहत बनी पानी की टंकी टेस्टिंग के दौरान ही जगह-जगह से लीक होने लगी। शनिवार सुबह टंकी में पानी भरकर जांच की गई तो कई जगहों से पानी तेजी से बहने लगा। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। टंकी की लागत करीब 75 लाख रुपए बताई गई है।

अमृत 2.0 के तहत बन रही आधा दर्जन से ज्यादा टंकियां: नगरपालिका परिषद सीहोर शहर के अलग-अलग वार्डों में आधा दर्जन से अधिक पानी की टंकियों का निर्माण करा रही है। अमृत 2.0 योजना के तहत इन पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य शहरवासियों को पीने और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना है। गंज क्षेत्र में बनी टंकी की क्षमता 13 लाख लीटर बताई गई है। आरोप है कि इसके निर्माण में घटिया

सामग्री और खराब गुणवत्ता वाले काम का इस्तेमाल हुआ है। तय समय सीमा बीतने के बाद भी टंकी का काम अधूरा बताया जा रहा है।

युवा सृजन संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कानून, साइबर सुरक्षा एवं जिम्मेदार नागरिकता के प्रति किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन के पुलिस विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, चन्द्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीहोर में युवा सृजन संवाद कार्यक्रम-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चौबे ने पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस और आम नागरिकों के बीच समन्वय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस से संवाद करने और आवश्यकता पड़ने पर सहायता लेने में संकोच नहीं करने की बात कही। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नितिन बातव एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. उदय डोलस ने भी विद्यार्थियों को कानून, अधिकारों और सामाजिक उत्तरदायित्वों के

प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी श्री शिरीष उपासनी ने अपराधिक न्याय व्यवस्था, साइबर सेल के प्रधान आरक्षक श्री सुशील साल्वे ने साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल नागरिकता तथा यातायात थाना के निरीक्षक श्री

आत्महत्या रोकथाम तथा कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक श्री गिरीश दुबे ने पुलिस थाने एवं सहायता सेवाओं के संबंध में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। वक्ताओं ने साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, यातायात नियमों के पालन तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उचित कदम उठाने की जानकारी दी।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कानून का सम्मान करने, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को समझने तथा सामाजिक सद्भाव एवं नागरिक अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जागरूक युवा सुरक्षित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। एनसीसी प्रभारी डॉ. कमलेश अहिरवार , रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. तिमोथियस एक्का, डॉ. श्याम कुमार, एनएसएस प्रभारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता, श्रीमती सीनिका सिंह सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों और विद्यार्थि उपस्थित रहे।

सागर के शाहगढ़ में 5 लाख के अवैध पटाखे जब्त

सागरमीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सागर जिले के शाहगढ़ में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर करीब 5 लाख रुपए कीमत के अवैध पटाखे जब्त किए हैं। पटाखे बिना वैध लाइसेंस के रखे गए थे। एक जगह पटाखे गोदाम में मिले, जबकि दूसरी जगह सूतली बम पलंग पेटी में

छिपाकर रखे गए थे। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

गोदाम से मिले 18 बॉक्स पटाखे: पुलिस के मुताबिक, शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शाहगढ़ के हनुमान टोरा क्षेत्र स्थित एक गोदाम में बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण किया गया है।

सूचना की जांच के दौरान पुलिस को मौके से 18 बॉक्स पटाखे मिले। इनकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने पटाखे जब्त कर आरोपी रिजवान खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पटाखों में सूतली बम भी शामिल थे, जिन्हें पलंग पेटी में भरकर रखा गया था।

जमनेरा तिराहे के पास से 500 किलो पटाखे जब्त: दूसरी कार्रवाई जमनेरा तिराहे के पास की गई। यहां पुलिस ने आरोपी पवन पिता दीपक ताप्रकार के कब्जे से पटाखों के 15 बोरे जब्त किए। इनका वजन करीब 500 किलोग्राम और अनुमानित कीमत 3 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है।

त्योहारों को देखते हुए कार्रवाई: बंडा एसडीओपी रोहित लखरा ने बताया कि शाहगढ़ थाना क्षेत्र में दो स्थानों पर अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दोनों जगह से करीब 5 लाख रुपए कीमत के पटाखे जब्त किए गए हैं।

प्रदेश के विद्यालयों में 28 अक्टूबर को ई-कचरा प्रबंधन दिवस का आयोजन

● विद्यालयों में ई-कचरा संग्रहण कॉर्नर्स की स्थापना और जागरूकता कार्यशाला का आयोजन पोस्टर निर्माण, नारा लेखन और चित्रकला से विद्यार्थी देंगे ई वेस्ट प्रबंधन का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग) के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश के सभी जिलों के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विशेष अभियान (ई-कचरा प्रबंधन) का आयोजन किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित इस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में ई-कचरा प्रबंधन गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत 28 अक्टूबर को प्रदेश के सभी विद्यालयों में विशेष ई-कचरा प्रबंधन दिवस मनाया जाएगा। 'स्वच्छता ही सेवा' एवं 'मिशन लाइफ' के उद्देश्यों के अनुरूप संचालित इस पहल के

माध्यम से विद्यार्थियों को ई-कचरे के सुरक्षित संग्रहण, पृथक्करण, पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक निस्तारण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यालयों में ई-कचरा संग्रहण कॉर्नर स्थापित किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों और समुदाय की सहभागिता से जागरूकता कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रहें हैं। जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला परियोजना समन्वयकों द्वारा अभियान की जिलावार समीक्षा और निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का होगा सुरक्षित निस्तारण: अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में अनुपयोगी एवं खराब इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत उपकरणों को एकत्रित कर उनका पृथक्करण किया जाएगा। इसमें कंप्यूटर , लैपटॉप, की-बोर्ड, मोबाइल, चार्जर, केबल, सीडी-डीवीडी, पेन ड्राइव, प्रिंटर, काटिंज, पुरानी बैटरियां और बल्ब जैसी सामग्री शामिल है। ई-कचरे को सामान्य कचरे में फेंकने के बजाय निर्धारित प्रक्रिया

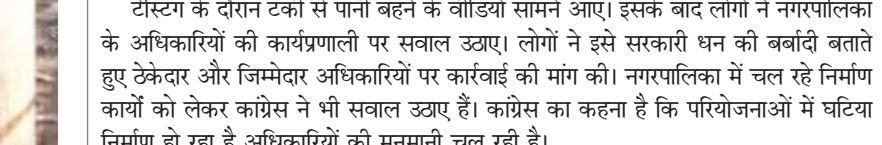
के अनुसार एकत्रित कर केद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) अथवा संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (SPCB) के नियमानुसार पंजीकृत एवं अधिकृत रिसाइक्लर या रिफर्बिशर के माध्यम से निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस पहल से विद्यालयों में स्वच्छता की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही सुरक्षित ई-कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। साथ ही इसमें मौजूद हानिकारक पदार्थों से होने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण को रोकने में भी मदद मिलेगी।

पार्थना सभा से रचनात्मक प्रतियोगिताओं तक होगी गतिविधियां: 28 अक्टूबर को विद्यालयों की पार्थना सभा के दौरान ई-कचरा प्रबंधन पर परिचर्चा, जागरूकता संवाद और प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। शिक्षक, पालक एवं विद्यार्थी अपने घरों तथा विद्यालयों से अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री लाकर ई-कचरा संग्रहण कॉर्नर में जमा कर सकेंगे। विद्यार्थियों को विषय की उपयोगिता समझाने के लिए पोस्टर निर्माण, नारा लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

अभियान के तहत गतिविधियों की प्रगति और विद्यालयों की सहभागिता के अभिलेखीकरण की दृष्टि से प्रत्येक विद्यालय के द्वारा स्कूल में आयोजित गतिविधियों , सहभागियों की संख्या तथा दो से तीन जियोटैग्ड फोटो की ऑनलाइन रिपोर्टिंग भारत सरकार के इको क्लब पोर्टल https://ecoclubs.education.gov.in/ पर अपलोड की जाएगी।

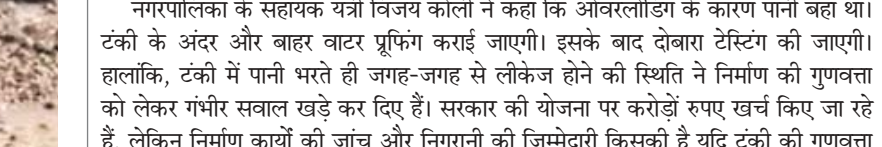
31 अक्टूबर तक तैयार होगी जिलों की समेकित रिपोर्ट: अभियान की कार्ययोजना के अनुसार 21 से 27 अक्टूबर तक पूर्व तैयारी, जन-जागरूकता, प्रचार-प्रसार और अधिकृत रिसाइक्लरों से समन्वय की गतिविधियां आयोजित होंगी। 28 अक्टूबर को प्रदेश भर के विद्यालयों में विशेष गतिविधि दिवस का आयोजन होगा। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समितियों के सदस्य गण, स्थानीय प्रबुद्ध जन और अभिभावकों की भी सहभागिता रहेगी। यह अभियान विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी विकसित करने के साथ विद्यालयों और समुदाय को सुरक्षित ई-कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

वीडियो सामने आने के बाद घटिया निर्माण पर सवाल



टेस्टिंग के दौरान टंकी से पानी बहने के वीडियो सामने आए। इसके बाद लोगों ने नगरपालिका के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। लोगों ने इसे सरकारी धन की बर्बादी बताते हुए ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। नगरपालिका में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर कांग्रेस ने भी सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि परियोजनाओं में घटिया निर्माण हो रहा है अधिकारियों की मनमानी चल रही है।

सहायक यंत्री बोले- वाटर प्रूफिंग के बाद फिर होगी टेस्टिंग



नगरपालिका के सहायक यंत्री विजय कोली ने कहा कि ओवरलोडिंग के कारण पानी बहा था। टंकी के अंदर और बाहर वाटर प्रूफिंग कराई जाएगी। इसके बाद दोबारा टेस्टिंग की जाएगी। हालांकि, टंकी में पानी भरते ही जगह-जगह से लीकज होने की स्थिति ने निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार की योजना पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन निर्माण कार्यों की जांच और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी है यदि टंकी की गुणवत्ता में कमी है, तो इसकी जवाबदेही तय कर कार्रवाई कब होगी केवल दोबारा वाटर प्रूफिंग और टेस्टिंग कराने से पहले हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिलता।

पुरानी रंजिश में युवक की धारदार हथियार से हत्या

शरीर पर कई वार किए, लाठी-डंडों से भी पीटा, 4 लोगों पर आरोप, 2 गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के नेपानगर क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या कर दी गई। मांडवा के बोमल्यापाट गांव में 4 लोगों ने मिलकर उसे मार डाला। पुलिस के मुताबिक, मृतक सुखलाल पिता लाल सिंग की हत्या ध्यान सिंग, उमकें बेटे राजेश, सालम और सुभाष ने की। आरोपियों ने धारदार हथियार फालिया, लाठी-डंडों और पथरों से सुखलाल पर हमला किया। यह घटना शनिवार रात की है। सूचना मिलने पर नेपानगर थाना पुलिस रात 10 बजे मौके पर पहुंची। पुलिस ने ध्यान सिंग और राजेश को हिरासत में ले लिया है। जबकि सालम और सुभाष फरार हैं। रविवार सुबह नेपानगर थाना प्रभारी शहाबुद्दीन कुरैशी एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। मृतक का आज पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात सुखलाल अपने घर के सामने खड़े था।

बीमारी से परेशान विवाहिता ने फांसी लगाई

उमरधा गांव में हुई घटना, पेट दर्द से परेशान थी महिला



मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के बनखेड़ी थाना क्षेत्र के उमरधा गांव में शनिवार शाम एक 30 साल की महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया और जांच शुरू की है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृतक ग्यारसी बाई (30) पिछले कुछ समय से पेट दर्द की बीमारी से परेशान थी। वह जीवन लाल कुशवाहा की पत्नी थी और उनके दो बेटे हैं, जिनकी उम्र 6 और 7 साल है। घटना की जानकारी



मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया कि महिला ने फांसी लगाई है। प्रधान आरक्षक देवेन्द्र माझी ने बताया कि परिजनों ने शनिवार शाम थाने में इसकी सूचना दी थी। पुलिस ने मार्ग कायम किया है। पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर खुदकुशी की सही वजह सामने आएगी।

स्वामित्व योजना के कार्यों की निगरानी के लिए सीहोर में कंट्रोल रूम स्थापित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 138 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। अपर कलेक्टर बुजेश कुमार सक्सेना द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नियंत्रण कक्ष के माध्यम से योजना की नियमित मॉनिटरिंग, प्रगति की समीक्षा तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा।

पचमढ़ी रोड पर बाइक टकराई, महिला समेत चार घायल

पनारी-रायखेड़ा के बीच हादसा, तीन घायल बेहोशी की हालत में मिले थे



मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के पचमढ़ी रोड पर शनिवार रात पनारी और रायखेड़ा के बीच बाइक हादसे में चार लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला और 15 साल का लड़का भी शामिल हैं। डायल 112 के स्टफ ने सभी को सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। डायल 112 की टीम ने अस्पताल पहुंचाया हादसे की सूचना पर डायल 112 के एएसआई दलीप परते और पायलट परवेज हाशमी मौके पर पहुंचे। घायलों की पहचान पनारी गांव की भारती गौड़ (40) और अनुराग (15), रायखेड़ा के अजय सोलंकी (21) और राहुल मवासी (18) के रूप में हुई है। तीन घायल बेहोशी की हालत में थे डॉ. शिव प्रताप सिंह ने बताया कि तीन घायल बेहोशी की हालत में थे और उनके मुंह से खून आ रहा था। राहुल होश में था, लेकिन कुछ बता नहीं पा रहा था। सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: भारत ने जीत के साथ किया आगाज, लाओस को 4-2 से हराया

बाकू, एजेसी। भारत ने अजरबैजान में आयोजित पहले फीफा अंडर-15 फुटबॉल वर्ल्ड कप की शानदार शुरुआत की है। शनिवार को बाकू के होवसन कॉम्पिटिशन कॉम्प्लेक्स में खेले गए ग्रुप (के) के अपने पहले मैच में भारत ने लाओस को 4-2 से हराया। भारत के कप्तान मैकडोनिश नौरांगबाम (7वें मिनट) और आर. लालरेमरुआतफेला (11वें मिनट) ने टीम के लिए शुरुआती दो गोल दागते हुए बढ़त दिलाई। इसके बाद लाओस के अनावि जाय्यासोने ने 12वें मिनट में एक गोल करके अंतर को कम करने का प्रयास किया। हाफ-टाइम के तुरंत बाद, दक्षिण-पूर्वी एशियाई टीम के लिए सौक्सवान सिलिसेंग (24वें मिनट) ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, भारत ने जोरदार वापसी की। लालरेमरुआतफेला (31वें मिनट) और सौमोजित सरकार (33वें मिनट) ने लंबी दूरी से गोल करके भारत की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ भारत ने फीफा टूर्नामेंट में अपने पहले तीन अंक हासिल कर लिए हैं। इस टूर्नामेंट में 189 राष्ट्रीय टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 32 समूहों में बांटा गया है। इस समूह में 'आउ-खिलाड़ियों' के फॉर्मेट में खेले जा रहे हैं। हर मैच में 20-20 मिनट के दो हाफ होते हैं, और इसमें 'रोलिंग सब्स्टिट्यूशन' (खिलाड़ियों को बार-बार बदलने) की अनुमति है।

भारतीय टीम ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहले चार मिनट में ही दो



मौके बनाए। तीसरे मिनट में दीपक सिंह अरामबम ने बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक जोरदार शॉट मारा, जिसे लाओस के गोलकीपर अनौसिथ सौक्सवान ने रोक दिया। इसके एक मिनट बाद, गोलकीपर ने आगे बढ़कर मैकडोनिश के प्रयास को भी नाकाम कर दिया। सातवें मिनट में दीपक ने बेहतरीन फुटवर्क दिखाया और गेंद को

‘स्मॉल बॉक्स’ के अंदर ले गए। वहां से उन्होंने गेंद को पीछे की तरफ पास किया, जिसे मैकडोनिश ने आसानी से गोल में बदल दिया। भारत का दबाव काम आया और 11वें मिनट में टीम ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। लाओस के खिलाड़ियों द्वारा गेंद को क्लियर करने की कोशिश को दीपक ने रोक

दिया। गेंद आर. लालरेमरुआतफेला के पास पहुंची, जिन्होंने एक टच लेने के बाद अपने बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गोल कर दिया। लाओस ने लगभग तुरंत ही जवाब दिया और 12वें मिनट में अनावि जाय्यासोने के गोल की मदद से अंतर कम कर दिया। उनके द्वारा दूर से लगाए गए शॉट को देखकर भारतीय गोलकीपर जेजित

निंगथौजाम अपनी जगह पर ही जमे रह गए। शुरुआत में हुए कई गोलों के बाद खेल की गति धीमी हो गई और हाफ-टाइम से पहले के पांच मिनटों में किसी भी टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला। हाफ-टाइम के बाद भारत ने फिर से दबाव बनाया। 21वें मिनट में एक कॉर्नर किक पर मैकडोनिश का हेडर गोल पोस्ट के बिल्कुल करीब से बाहर निकल गया। हालांकि, तीन मिनट बाद ही लाओस ने बराबरी कर ली, जब सौक्सवान सिलिसेंग ने बॉक्स के बाहर से सीधे शॉट लगाकर गेंद को गोल के निचले कोने में पहुंचा दिया।

इस बराबरी के बाद भारत ने अपनी आक्रामकता बढ़ाई और खेल का ज्यादातर हिस्सा लाओस के हाफ में खेला गया। 31वें मिनट में भारत ने फिर से बढ़त बना ली। आर. लालरेमरुआतफेला ने सीमोजित सरकार से मिले पास लिया और बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट के दूर वाले कोने में पहुंचा दिया, जिससे स्कोर 3-2 हो गया।

33वें मिनट में भारत ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया, जब सरकार ने हाफ-वे लाइन के ठीक अंदर से शॉट मारा। गेंद गोलकीपर के ऊपर से होती हुई सीधे नेट में चली गई। भारतीय युवा टीम ने बाकी बचे मैच को बखूबी संभाला, अपनी दो गोल की बढ़त को बरकरार रखा और पूरे तीन अंक हासिल किए। भारत का अगला मुकाबला रविवार को कैमरून से होगा, और उसी दिन बाद में वह ग्रेनाडा का सामना करेंगे।

एक बार फिर निडर मुंबई इंडियंस देखने को मिलेगी, जीतने की वो आग बतौर कोच भी वैसे ही जलती रहेगी: पोलाई



नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के नए हेड कोच कीरोन पोलाई ने माना कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम हाल के सीजन में अपने फैस की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से एक खतरनाक टीम बनने की शुरुआत अपनी इस कमी को स्वीकार करने से होगी। पोलाई, जो पिछले चार आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस टीम के बैटिंग कोच थे अब महेशा जयवर्धने की जगह लेंगे। जयवर्धने पिछले सप्ताहांत ही इस फ्रेंचाइजी से अलग हुए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर पोलाई का मुंबई इंडियंस और इसकी अन्य फ्रेंचाइजियों के साथ जुड़ाव आईपीएल 2010 से है, जब वह पहली बार एक खिलाड़ी के तौर पर टीम से जुड़े थे। घुआंधार बल्लेबाजी करने वाले पोलाई मुंबई इंडियंस की उन सभी पांच आईपीएल खिताबी जीतों (2013, 2015, 2017, 2019 और 2020) का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा, वह 2011 और 2013 में टीम की दो चैंपियंस लीग टी20 जीतों में भी शामिल थे। पोलाई ने कहा, ‘एक टीम के तौर पर हम समझते हैं कि हम उतने अच्छे नहीं रहे हैं, जितनी फैस हमसे उम्मीद करते हैं। बेहतर बनने की दिशा में पहला कदम यही है कि हम इस बात को स्वीकार करें।’

दो दिवसीय आउटलाइन प्रीमियर लीग शुरू 300 आईटी प्रोफेशनल्स दिखा रहे खेल प्रतिभा



प्रयास किया जा रहा है। पहले दिन क्रिकेट में ईकेयर टाइट्स ने स्पार्टन्स-11 को छह विकेट से हराया, जबकि डार्क नाइट्स ने अकाउंट ग्लैंडियट्स को छह विकेट से शिकस्त दी। एक अन्य मुकाबले में द पनिसर्स ने छोटी काशी-11 को आठ विकेट से हराया, वहीं इनक्रेडिबल इलेवन्स ने फेडरल स्ट्राइकर्स पर आठ विकेट से जीत दर्ज की। फुटबॉल में अकाउंट्स की टीम ने पेनल्टी शूटआउट में फेडरल को 3-2 से हराया, जबकि ईकेयर ने ऑल स्टार्स को 2-1 से पराजित किया।

चंडीगढ़, एजेसी। युवा आईटी प्रोफेशनल्स में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय आउटलाइन प्रीमियर लीग (ओपीएल) 2026 शनिवार को सेक्टर-23 में शुरू हुई। इस प्रतियोगिता में करीब 300 आईटी प्रोफेशनल्स हिस्सा ले रहे हैं और क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न खेलों के शुरुआती मुकाबले खेले गए। क्रिकेट में नौ टीमों और फुटबॉल में चार टीमों चैंपियनशिप ट्रांफी के लिए मुकाबला कर रही हैं। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले रविवार शाम को खेले जाएंगे। इस पहल के जरिए कर्मचारियों में टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

बोधना सबसे कम उम्र की इंटरनेशनल शतरंज मास्टर विजेता खिलाड़ी बनी

लंदन, एजेसी। ब्रिटेन की बोधना शिवानंदन इंटरनेशनल शतरंज मास्टर खिताब जीतने वाली विश्व की सबसे उम्र की खिलाड़ी बनी गयी हैं। भारतीय मूल की 11 साल की ब्रिटिश खिलाड़ी बोधना ने मॉन्टेनेग्रो के बुड्वा में आयोजित यूरोपीय महिला क्लब कप में जीत के साथ ही हंगरी की दिग्गज जुडीत पोल्यार का 38 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पोल्यार ने यह खिताब साल 1988 में 12 साल की उम्र में जीता था और उन्हें तब से ही शतरंज इतिहास की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है। अब बोधना ने पोल्यार भी कम उम्र में यह असाधारण उपलब्धि हासिल कर अपने को साबित किया है। बोधना ने यूरोपीय महिला क्लब कप के अंतिम राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे कम उम्र में खिताब जीता। उन्होंने अपनी टीम श्री प्लेज टू विन लायनेसेस ए को 4-0 की निर्णायक जीत दिलाते हुए स्वीडन की महिला इंटरनेशनल मास्टर विक्टोरिया जोहानसन को सिर्फ 32 चालों में ही शिकस्त दे दी। वहीं इस प्रतियोगिता में, पूर्व महिला विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर एलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के हाथों मिली हार के बावजूद बोधना ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने कुल सात मैचों में 5.5 अंक हासिल किये, जिसके कारण उन्हें अपना तीसरा और अंतिम आईएम नॉर्म मिला।



चेल्सी हमारा सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी, यह मैच सीजन को फिर से पटरी पर लाने का बेहतरीन मौका: सैंड्रो टोनाली



नई दिल्ली, एजेसी। टोटेंहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब के मिडफील्डर सैंड्रो टोनाली ने कहा कि कट्टर प्रतिद्वंद्वी चेल्सी के खिलाफ प्रीमियर लीग का यह मुकाबला उनकी टीम के लिए अपने सीजन को पटरी पर लाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने समर्थकों को जश्न मनाने का मौका देने का एक बेहतरीन अवसर है। शनिवार को होने वाली बहुप्रतीक्षित ‘लंदन डर्बी’ में जब टोटेंहम का सामना चेल्सी से होगा, तो वे कोवेंट्री सिटी के खिलाफ मिली 3-1 की जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। टोनाली ने चेल्सी को टोटेंहम की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वियों में से एक बताया और इस बात पर जोर दिया कि सीजन की अपनी पहली लीग जीत से मिली लय को बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। टोनाली ने ‘जियोस्टार’ से कहा, ‘चेल्सी हमारी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वियों में से

एक है। यह मैच हमारे लिए वापसी करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने सीजन को फिर से पटरी पर लाने का एक बेहतरीन मौका है।’ मिडफील्डर ने कहा कि प्रीमियर लीग अभियान की कठिन शुरुआत के बाद टोटेंहम को अपनी पहली जीत मिलने में काफी समय लग गया। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली हार के बावजूद टीम ने अच्छे संकेत दिखाए थे। उन्होंने कहा, ‘हमें पता था कि सीजन की पहली जीत मिलने में काफी समय लग गया है, इसलिए आखिरकार इसे पाकर हम बहुत खुश हैं। प्रीमियर लीग अभियान की हमारी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही थी, और छह मैचों के बाद हमें आखिरकार अपनी पहली जीत मिली। हम अपने समर्थकों, खिलाड़ियों, स्टाफ और टोटेंहम से जुड़े सभी लोगों के लिए खुश हैं।’ टोनाली ने मैनचेस्टर यूनाइटेड और एस्टन विला के खिलाफ टीम के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि मैदान पर की गई मेहनत का नतीजा हमेशा उनके पक्ष में नहीं रहा। उन्होंने कहा, ‘मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ रेड कार्ड मिलने से पहले हम अच्छा खेल रहे थे, और एस्टन विला के खिलाफ हमने इस सीजन का अपना सबसे बेहतरीन पहला हाफ खेला था। भले ही हम वह मैच हार गए, लेकिन हमारा प्रदर्शन किसी भी तरह से खराब नहीं था।’ मिडफील्डर ने माना कि चेल्सी का सामना करना एक कठिन चुनौती होगी, लेकिन उन्होंने अपने साथियों से अपनी खेल शैली पर कायम रहने और पूरे मैच के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ देने का आग्रह किया।

हमारी टीम का हर खिलाड़ी मैच जिताने की क्षमता रखता है: श्रेयस अय्यर

क्राइस्टचर्च, एजेसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को हैगली ओवल में खेले गए टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 4 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम इंडिया ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली है। कप्तान श्रेयस अय्यर मानते हैं कि भारतीय टीम का हर खिलाड़ी मैच जिताने की क्षमता रखता है। जीत के बाद अय्यर ने दबाव में भारत की जीत और मैच विजेता खिलाड़ियों की टीम की क्षमता पर कहा, ‘मेरा मानना है कि हमारी टीम का हर खिलाड़ी मैच जिताने की क्षमता रखता है और आज हमने इसका बेहतरीन उदाहरण देखा। जब हमने लगातार विकेट गंवाए, तब लगा कि मैच हाथ से निकल रहा है, लेकिन तिलक और रेड्डी ने जज्बा दिखाया। साथ ही, नमन धीर ने भी शानदार पारी खेली।’ 17 गेंदों में 31 रन की पारी खेलने वाले नमन धीर के योगदान और उनकी ऑलराउंड क्षमताओं पर कप्तान ने कहा, ‘हमने उन्हें इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी देखा था। वह एक शानदार गेंदबाज भी है। जब कोई खिलाड़ी बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में योगदान देता है, तो टीम में एक अलग ही मजबूती आती है। इसके अलावा, मैदान पर उनकी फुर्ती को देखकर लगता है कि वह एक संपूर्ण खिलाड़ी हैं।’ न्यूजीलैंड ने भारत की जीत के लिए 181 रन का टारगेट दिया था, जिसके जवाब में भारत ने 70 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे। 21 रन देकर 4 विकेट हासिल करने वाले मिचेल सेंटनरे ने भारतीय टीम को दबाव में ला दिया था, लेकिन इसके बाद भारत ने 4 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम किया।

मिचेल सेंटनर और माइकल ब्रेसवेल जैसे स्पिनर्स की चुनौती और रन चेज के दौरान भारत के दृष्टिकोण को लेकर कप्तान ने कहा, ‘हमने शुरुआत में काफी डॉट गेंदें खेलीं, जिससे रन रेट का दबाव बढ़ गया। हमारी कोशिश मैच को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाने की थी, लेकिन उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की। खासकर ब्रेसवेल और सेंटनर ने मिडल ओवरर्स में जिस तरह खेल को नियंत्रित किया, उससे बल्लेबाजी आसान नहीं रही। गेंद को हिट करना आसान नहीं था, लेकिन अगर हम गैप ढूँढकर बाउंड्री लगाने की कोशिश करते,



तो हम आसानी से जीत सकते थे। खैर, ऐसा होता रहता है। यह बस एक खराब दिन था, और मुझे यकीन है कि हम मजबूती से वापसी करेंगे।’ भारत की फील्डिंग और विरोधी टीम को दो रन लेने से रोकने के महत्व पर अय्यर बोले, ‘यही संदेश टीम के हर खिलाड़ी को दिया गया था कि हर गेंद को पहले से भांपना है और यह मानकर चलना है कि आपको सिर्फ एक रन देना है। गेंद की तरफ तेजी से दौड़कर जाना जरूरी है ताकि विपक्षी बल्लेबाज दो रन लेने के बारे में दो बार सोचें।’

संक्षिप्त समाचार

विकसित भारत 2047 के संकल्प की दिशा में जनजातीय सशक्तीकरण पर जोर

मीडिया ऑडीटर, खैरागढ़ (निप्र)। जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में जनजातीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से जिले में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में कलेक्टर कार्यालय के आदिम जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत सिंगारपुर के ग्राम बैगापारा (तमड़ाबोड़) में बैगा जनजाति की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आजीविका के बेहतर अवसरों से जोड़ना, उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना तथा उपलब्ध स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आय के साधनों को सुदृढ़ करना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), वन विभाग एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। महिलाओं को समूह संचालन, सामूहिक आजीविका गतिविधियों, लघु वनोपज के संग्रहण एवं क्रय-विक्रय, तैय्युत्पाता संग्रहण तथा विपणन की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। इसके साथ ही बीमा संबंधी जानकारी देकर उन्हें उपलब्ध सुरक्षा एवं बीमा प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया। उद्योग विभाग द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय वन संसाधनों के बेहतर उपयोग, सामूहिक प्रयासों से आजीविका गतिविधियों के संचालन तथा लघु वनोपज के विपणन की प्रक्रियाओं को समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम जनजातीय महिलाओं की क्षमता वृद्धि, आर्थिक भागीदारी एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम में सरपंच चंद्र कुमार वर्मा, सचिव तेजनाथ ठाकुर, लघु वनोपज प्रबंधक चंद्रेश्वर यादव, जूनियर एजीक्यूटिव खैरागढ़ संजय पटेल, ठाकुरटोला एवं कुम्हारवाड़ा के प्रबंधक चेतन दास, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जनपद पंचायत छुईखदान के ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर तथा वन विभाग एवं उद्योग विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में सक्रिय महिलाओं, एफएलसीआरपी एवं ग्रामीणों ने सहभागिता की। जनजातीय समुदायों का आर्थिक सशक्तीकरण, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग तथा आजीविका के अवसरों का विस्तार विकसित भारत 2047 के व्यापक संकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

टाउन हॉल में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 28 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, बालोद (निप्र)। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग बालोद के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय युवा उत्सव वर्ष 2026-27 का आयोजन 28 अक्टूबर 2026 को टाउन हॉल बालोद में किया जाना प्रस्तावित है। अपर कलेक्टर एवं प्रभारी जिला खेल अधिकारी ने बताया कि युवा उत्सव का उद्देश्य युवाओं के मध्य पारस्परिक एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा एकता की भावना को सुदृढ़ करना है, जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली युवाओं को विभिन्न विधाओं में अपनी कला, कौशल एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इसमें भाग लेने के इच्छुक युवा अथवा प्रतिभागी 27 अक्टूबर 2026 को दोपहर 02 बजे तक कार्यालयीन दिवसों में कार्यालय कलेक्टर जिला बालोद, खेल एवं युवा कल्याण, कक्ष क्रमांक-67 संयुक्त जिला कार्यालय सिक्की में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। आयु सीमा एवं पंजीयन प्रक्रिया युवा उत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए आयु सीमा 15 से 29 वर्ष तथा संगतकारों के लिए 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। एक प्रतिभागी केवल एक ही विधा में भाग ले सकेगा। इच्छुक प्रतिभागियों को निर्धारित प्रारूप में ऑफलाइन पंजीयन कराने के साथ-साथ 'माय भारत' पोर्टल पर भी ऑनलाइन पंजीयन करना अनिवार्य होगा। जिला स्तर पर नियमों के अनुसार चयनित विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गांवों के विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को मिल रही प्राथमिकता : राजस्व मंत्री वर्मा

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने दी 1.32 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को निरंतर गति दे रही है। इसी कड़ी में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शनिवार को बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम पौंसरी, मगरवाय, बुड़गहन और पूरेना में लगभग 70 लाख रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों की मांगों को प्राथमिकता देते हुए लगभग 57 लाख रुपए के नए विकास कार्यों की घोषणा भी की। इस प्रकार चार गांवों को लगभग 1 करोड़ 32 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिली। राजस्व मंत्री वर्मा ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम पौंसरी में 10 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण और 5 लाख रुपए से बाड़ड़ीवाल निर्माण की घोषणा



की। इसी प्रकार ग्राम मगरवाय में 10 लाख रुपए से शेड निर्माण, ग्राम बुड़गहन में 20 लाख रुपए से चेक डेम निर्माण तथा ग्राम पूरेना में 7 लाख रुपए से अतिरिक्त कक्ष और 5 लाख रुपए से रंगमंच निर्माण की घोषणा की। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक सुविधाओं, जल संरक्षण और शैक्षणिक अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। विभिन्न ग्रामों में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री

टंकराम वर्मा ने कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रहे निर्माण कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि विकास की योजनाएं धरातल पर साकार हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांवों, किसानों, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य

आईआईटी भिलाई में छठा दीक्षांत समारोह आयोजित : 313 विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधियाँ

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (निप्र)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई में 24 अक्टूबर 2026 को संस्थान के परिसर स्थित नालंदा हॉल में छठ दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार सारस्वत, नीति आयोग के पूर्व सदस्य, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के पूर्व सचिव एवं रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के पूर्व महानिदेशक तथा भारत सरकार के रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने की। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ अकादमिक शोभायात्रा के साथ हुआ। आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने स्वागत भाषण दिया तथा निदेशक की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रो. प्रकाश ने विगत वर्ष के दौरान आईआईटी भिलाई की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आईआईटी भिलाई को इस बात पर गर्व है कि उसने छत्तीसगढ़ राज्य का पहला आईटी पार्क स्थापित किया है, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार और आईआईटी भिलाई की संयुक्त पहल के रूप में विकसित किया गया है। छत्तीसगढ़ के मांननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सिल्विल लास में आईटी उद्योग के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए निदेशक ने कहा कि

संस्थान का लक्ष्य राज्य में प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता, अनुसंधान और रोजगार सृजन के लिए विश्वस्तरीय इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में परिवर्तनकारी यात्रा को आगे बढ़ाना है। अपनी रिपोर्ट में प्रो. प्रकाश ने अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आईआईटी भिलाई द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति पर भी प्रकाश डाला। पिछले वर्ष के दौरान आईआईटी भिलाई ने आईएमटी नॉर्ड यूरोप, इकोल सेट्राल डी नात और ग्राज प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। वर्तमान में संस्थान में 191 परियोजनाएँ संचालित हैं। निदेशक ने बताया कि संस्थान का अनुसंधान एवं विकास बजट बढ़कर 187 करोड़ रुपए हो गया है। निदेशक ने यह भी बताया कि आईआईटी भिलाई टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की समग्र शिक्षा पहल के सहयोग से विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विद्या समीक्षा केंद्र को 30 मार्च 2025 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राज्य को समर्पित किया गया था। निदेशक की रिपोर्ट के पश्चात, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के स्नातक विद्यार्थियों को उनकी उपाधियाँ प्रदान की गईं। भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के अनुरूप, आईआईटी भिलाई अपने विद्यार्थियों को डिजिटल उपाधि

प्रमाणपत्र भी प्रदान करता है। यह संस्थान के सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल कार्यप्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दीक्षांत समारोह में कुल 313 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें 19 पीएचडी, 37 एमएससी, 79 एमटेक, 08 बीटेक (ऑनर्स) तथा 170 बीटेक के विद्यार्थी शामिल थे। इस अवसर पर, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने सभी स्नातक विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्रो. विजय वर्तमान में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत उन्नत भारत अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने समावेशी भारत की संरचना विकसित करने के लिए ज्ञान संस्थानों की क्षमता का उपयोग करते हुए ग्रामीण विकास की प्रक्रियाओं में परिवर्तन लाने की अपार संभावनाओं पर बल दिया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी। डॉ. सारस्वत ने अपने संबोधन में छात्रों को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका की याद दिलाई। उन्होंने डीआरडीओ और नीति आयोग में काम करने के अपने व्यापक अनुभव को साझा किया। डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का हवाला देते हुए, डॉ. सारस्वत ने सभी युवा स्नातकों से आग्रह किया कि वे अपने स्वतंत्रता को श्विकसित भारतश् के निर्माण में बदलें।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की OTS-2 योजना को बड़ी सफलता

251.71 करोड़ रुपये मूल्य की 1,659 संपत्तियां बिकीं, पूर्ववर्ती OTS योजना की तुलना में विक्रय प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों को किफायती दरों पर आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां उपलब्ध कराने तथा वर्षों से रिक्त पड़ी संपत्तियों के बेहतर उपयोग की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 (OTS-w) महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना के अंतर्गत अब तक 62.5 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय किया जा चुका है। योजना के माध्यम से कुल 251.71 करोड़ रुपये मूल्य की 1,659 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों का विक्रय हुआ है। योजना के अंतर्गत कुल 2,656 संपत्तियों को विक्रय के लिए शामिल किया गया था। इनमें से अब केवल 997 संपत्तियां विक्रय के लिए शेष हैं, जिनका कुल मूल्य 134.40 करोड़ रुपये है। योजना की सफलता से जहां वर्षों से रिक्त पड़ी संपत्तियों का उपयोग सुनिश्चित हो रहा है, वहीं आम नागरिकों को रियायती दरों पर अपना घर एवं व्यावसायिक परिसर प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा है। पूर्ववर्ती योजना की तुलना में OTS-w का प्रदर्शन बेहतर वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 की उपलब्धि पूर्व में संचालित OTS योजना की तुलना में उल्लेखनीय रही है। सितंबर 2021 से मार्च 2024 तक संचालित पूर्ववर्ती वन टाइम सेटलमेंट योजना के अंतर्गत लगभग 511 करोड़ रुपये मूल्य की 2,591

आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों को शामिल किया गया था। इस अवधि में कुल 88.28 करोड़ रुपये मूल्य की 506 संपत्तियां का विक्रय हुआ था, जिसमें विक्रय का प्रतिशत 17.27 रहा था। वहीं वर्तमान OTS-2 योजना में अब तक 62.5 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय हो चुका है। इस प्रकार पूर्ववर्ती योजना की तुलना में वर्तमान योजना के विक्रय प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की संपत्ति विक्रय व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलाव तथा रियायती दरों पर संपत्तियां उपलब्ध कराने की नीति के प्रभावी परिणामों को दर्शाती है। मंत्रिपरिषद के निर्णय से मिली योजना की गति उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 19 जनवरी 2025 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की पांच वर्ष से अधिक समय से अविक्रित आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के एकमुश्त निपटान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था। इसके अंतर्गत ऐसी संपत्तियों को लागत मूल्य (बेस रेट) पर निर्धारित छूट प्रदान कर विक्रय करने की स्वीकृति दी गई थी। मंत्रिपरिषद के निर्णय के अनुरूप 1 मार्च 2025 से वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 प्रारंभ की गई।

राज्योत्सव समारोह-2026 के सफल आयोजन के लिए नोडल और सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सक्ती (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्योत्सव समारोह-2026 का एक दिवसीय आयोजन 2 नवंबर 2026 को आयोजित किया जाना है। जारी आदेश के तहत जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह-2026 का आयोजन जिला मुख्यालय सक्ती में कलेक्ट्रेट के समीप स्थित मैदान में आयोजित किया जाएगा। आयोजन के सफल एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्रीमती जयजैन ने नोडल और सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। जारी आदेश के अनुसार, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी आईएसएस वासु जैन को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी तथा सीएमओ नगर पालिका सक्ती प्रहलाद पाण्डेय को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके

मार्गदर्शन में संबंधित विभागों के अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे। जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह-2026 आयोजन के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी जिला सक्ती एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सक्ती को दायित्व दिया गया है। आमंत्रण पत्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रारूप के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सक्ती एवं तहसीलदार सक्ती को, आमंत्रण पत्र वितरण व्यवस्था के लिए तहसीलदार सक्ती एवं उप संचालक पंचायत सक्ती को दायित्व दिया गया है। कार्यक्रम स्थल पर पंडाल, स्टॉल, मंच, टेट की व्यवस्था व साउंड माइक, लाइट व्यवस्था के लिए कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सक्ती एवं अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग उप संभाग सक्ती को दायित्व सौंपा गया है।

पीएम जनमन से बदल रही पीवीटीजी बस्तियों की तस्वीर, आदिवासी परिवारों तक पहुंच रहीं बुनियादी सुविधाएं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों के विकास को मिली गति

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से रायगढ़ जिले के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले बिरहोर एवं पहाड़ी कोरवा परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा परिवारों की जरूरतों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर बनाना है। पक्के आवास से पेयजल तक, गांवों में पहुंच रही सुविधाएं पीएम जनमन के तहत जिले में आवास निर्माण, संपर्क सड़कों, पेयजल व्यवस्था, आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्युतीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। आदिवासी

जा रहा है। जिले के तमनार, घरघोड़ा, लैलुंगा, धरमजगढ़ और खरसिया विकासखंडों की 52 ग्राम पंचायतों की 53 पीवीटीजी बसाहटों के 961 परिवार इस अभियान के दायरे में हैं। इन परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय परिवारों की जीवन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर बनाना है। पक्के आवास से पेयजल तक, गांवों में पहुंच रही सुविधाएं पीएम जनमन के तहत जिले में आवास निर्माण, संपर्क सड़कों, पेयजल व्यवस्था, आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्युतीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। आदिवासी

विकास विभाग के अधिकारी ने बताया कि 173 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 170 पक्के मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है। इससे पात्र परिवारों को सुरक्षित आवास मिला है, जिन्हें पहले कच्चे मकानों में रहकर बारिश सहित मौसम की कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पेयजल व्यवस्था के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। चिन्हित 327 पाइपड एवं सामुदायिक पेयजल संबंधी कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इसके साथ ही तीन आंगनबाड़ी संबंधी कार्य भी पूर्ण हो चुके हैं। इन सुविधाओं से ग्रामीणों को बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराई तथा बच्चों की देखभाल और पोषण व्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिल रही है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के निर्माण में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका : संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों और नीतियों के प्रभावी निर्माण एवं क्रियान्वयन में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनगणना से प्राप्त जानकारी के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं का आकलन करने और विकास की प्राथमिकताएं निर्धारित करने में सहायता मिलती है। इसलिए जनगणना कार्य पूरी गंभीरता, सावधानी और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया जाना आवश्यक है। यह बात

सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शनिवार को अम्बिकापुर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना कार्य की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रशिक्षण में जिले के चार्ज अधिकारी, तहसीलदार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शामिल हुए। संभागायुक्त दुग्गा ने अधिकारियों को जनगणना कार्य की महत्ता से अवगत कराते हुए कहा कि जनगणना

डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर चार्ज अधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

के दौरान प्रत्येक व्यक्ति और परिवार की जानकारी का सही एवं सटीक संकलन सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में विशेष सावधानी बरती जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति अथवा घर गणना से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े शासन को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, अधोसंरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में योजनाएं तैयार करने और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता प्रदान करते हैं। संभागायुक्त दुग्गा ने सभी चार्ज अधिकारियों एवं कर्मचारियों संबंधी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अध्ययन करने और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य से जुड़े प्रत्येक अधिकारी को निर्देश पुस्तिका की पूरी जानकारी होनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की शंका अथवा तकनीकी समस्या का समाधान मास्टर ट्रेनर्स से प्राप्त कर लिया जाए, ताकि मैदानी स्तर पर कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न

हो। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने और जनगणना कार्य से संबंधित सभी पहलुओं को भलीभांति समझने को कहा। संभागायुक्त ने सरगुजा संभाग में जनगणना के प्रथम चरण के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि द्वितीय चरण में भी इसी प्रतिबद्धता और समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनगणना को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों के संकलन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करने का कार्य है। दुग्गा ने आम नागरिकों से भी जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना के द्वितीय चरण में ग्रणकों द्वारा घर-घर पहुंचकर जनसंख्या संबंधी जानकारी दर्ज की जाएगी। नागरिक प्रणकों

को अपने परिवार से संबंधित सही, पूर्ण एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराए, जिससे जनगणना के आंकड़ों की विश्वसनीयता और शुद्धता सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय, नवा रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर्स ने कम्प्यूटर आधारित प्रस्तुतिकरण (पीपीटी) के माध्यम से चार्ज अधिकारियों को जनगणना की प्रक्रिया, आवश्यक दिशा-निर्देशों तथा डिजिटल माध्यम से जानकारी संकलित करने के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इस दौरान अधिकारियों को जनसंख्या गणना कार्य के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर प्रताप विजय थेस, अनुविभागीय दण्डाधिकारी अम्बिकापुर बनसिंह नेताम, उदयपुर रामराज सिंह, सीतारूप सुभाषी ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर सुप्रिंस तम्बोली एवं सुसुष्मिता टोंड़े सहित जिले के तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।